Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 254
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-रविवार,11 जनवरी 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सीएम डैशबोर्ड की दिसंबर की रैंकिंग में बरेली

4 विश्व में हिन्दी की बढ़ती साख: भारत में उपेक्षा क्यों?

5 हरनाज संधू ने किया विमेंस प्रीमियर लीग का उद्घाटन

माघ मेले में मुख्यमंत्री ने उठाया बांग्लादेश का मुद्दा

लगता है किसी ने फेविकोल लगा दिया:सीएम

प्रयागराज (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर राजनीति करने वालों पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि बांग्लादेश की घटनाओं पर इनके मुंह बंद हैं। मुख्यमंत्री यहां माघ मेला क्षेत्र में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज के 726वें प्राकट्य उत्सव को संबोधित कर रहे थे। संत समाज के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरे समाज को जोड़ने का कार्य करता है और जब संत समाज एक मंच पर आकर उद्घोष करता है तो उसका परिणाम भी सामने आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण इसका उदाहरण है, जो पूज्य संतों की साधना और एकता से ही हुआ और जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, देश की आजादी के बाद कई प्रधानमंत्री हुए और सभी ने देश के विकास के बारे में सोचा, लेकिन भारत की मूल आत्मा को सम्मान मिलना चाहिए और अयोध्या में रामलला विराजमान हों, यह भाव केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भीतर था, जिन्होंने इसे साकार किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा, मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो राम मंदिर में दर्शन करने गए, राम मंदिर के शिलान्यास में शामिल हुए, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भी उपस्थित रहे और मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद शुभ मुहूर्त में सनातन धर्म की ध्वज-पताका के आरोहण में भी भागीदार बने। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर राजनीति करने वालों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, इन लोगों का बांग्लादेश की घटना पर मुंह बंद है। इनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा है। ऐसा लगता है कि किसी ने इनके मुंह पर फेवीकोल चिपका दिया है। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों द्वारा बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर कोई कैंडल मार्च नहीं निकाला जा रहा है। यह हम सबके लिए एक चेतावनी भी है। गंगा की निर्मलता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिवेणी में स्नान की दिव्य अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा, मैंने भी यहां आकर सबसे पहले त्रिवेणी में डुबकी लगाकर मां गंगा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कितना पावन जल है। आज से आठ-दस वर्ष पहले क्या इतना निर्मल जल उपलब्ध हो पाता था? उन्होंने कहा, जब रामभक्त और गंगाभक्त देश की सत्ता में होता है, तभी ऐसे दिव्य अवसर प्राप्त होते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा, नमामि गंगे अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है और भारत माता का सच्चा सपूत ही ऐसा कार्य कर सकता है। उन्होंने कहा कि यहां स्नान करने वाला प्रत्येक श्रद्धालु प्रधानमंत्री को आशीर्वाद दे रहा है। विपक्षी नेताओं का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज भी समाज को बांटने का कार्य कर रहे हैं, वे कभी किसी के हितैषी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जब ऐसे लोगों को सत्ता में रहने का अवसर मिला, तब वे केवल अपने परिवार के बारे में सोचते थे और उससे आगे उनकी दृष्टि नहीं थी। उन्होंने कहा, आज सत्ता से बाहर होने पर वे तरह-तरह के नारे दे रहे हैं, लेकिन यह वास्तविकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप, जब भी उन्हें मौका मिलेगा, वे पहचान का संकट खड़ा करेंगे, अराजकता फैलाएंगे, सनातन धर्म पर प्रहार करेंगे और दंगों की आड़ में समाज को झुलसाने का प्रयास करेंगे। किसी भी स्थिति में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने दी जानी चाहिए।

प्रदेश कार्यशाला से भाजपा करेगी वीबी-जी राम जी जनजागरण अभियान का आगाज

समन्वय टोलियां गठित

देहरादून (एजेंसी)। प्रदेश कार्यशाला से भाजपा वीबी-जी राम जी जनजागरण अभियान का आगाज करेगी। प्रदेश महामंत्री परिहार के नेतृत्व में जनजागरण अभियान की समन्वय टोलियों का गठन किया गया है। भाजपा राष्ट्रव्यापी वीबी-जी राम जी जनजागरण अभियान की आज शनिवार से प्रदेश में शुरूआत करनी जा रही है। प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में इस योजना की विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि शनिवार को होने वाली एक दिवसीय कार्यशाला में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा के साथ प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, महामंत्री संगठन अजेय कुमार शामिल होंगे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी व अन्य पदाधिकारी भी आएंगे। जनजागरण अभियान के समन्वय की जिम्मेदारी प्रदेश स्तर पर कुन्दन परिहार के नेतृत्व में किसान मोर्चा के अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी, दायित्वधारी भुवन विक्रम डबराल, देशराज कर्णवाल और प्रदेश सह संयोजक उमेश त्रिपाठी को दी गई है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में सम्मेलनों, घर-घर संपर्क, किसान पदयात्रा, टैक्टर एवं बैलगाड़ी रैली आदि कार्यक्रमों से जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली में आज सर्दी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड. 4.2 डिग्री तक लुढ़का पारा

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सर्दी ने आज सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आज दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। कोहरे के साथ शीत लहर से राजधानी और एनसीआर का इलाका कांप रहा है। तेज हवाओं ने भी मुसीबत और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा समेत समूचे उत्तर भारत में जबरदस्त शीत लहर चल रही है। शनिवार को दिल्ली में जनवरी की अब तक की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई, जब तापमान गिरकर 4.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सर्दी में अब तक का सबसे कम तापमान है।भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शुक्रवार को हुई असामान्य बारिश के बाद तापमान में यह अचानक गिरावट आई, जिससे राजधानी और आसपास के इलाकों में तापमान पहले ही गिर चुका था। आईएमडी ने बताया, रात भर में पारा गिरकर 4.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो शुक्रवार के न्यूनतम तापमान से थोड़ा कम है। विभाग ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में ठंड का मौसम बना रहेगा और सुबह से लेकर देर रात तक मध्यम से घना कोहरा छा सकता है।मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह और देर रात के दौरान घने कोहरे के बने रहने का पूर्वानुमान लगाया है। जबकि कम धूप के कारण दिन का तापमान कम रहने की संभावना है।

दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला शुरू, धर्मेंद्र प्रधान ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में 53वें नयी दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 का भव्य उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने टैम्बोरिन बजाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 53 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा दिल्ली पुस्तक मेला आज प्रकाशन जगत का एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद मंच बन चुका है। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा प्रकाशन और पुस्तक व्यापार केंद्र बनकर उभरा है, जो देश की बौद्धिक और सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं, पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे। सरकार देश में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

तुर्कमान गेट पथराव मामला, दिल्ली पुलिस ने की तीन और लोगों की गिरफ्तारी

अब तक 16 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में हुई पथराव की घटना के सिलसिले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके नाम मोहम्मद नावेद (44), मोहम्मद फैज (20), मोहम्मद उबैदुल्लाह (23), मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद अदनान (37), समीर हुसैन (40), मोहम्मद अतहर (20), शहनवाज आलम (55), मोहम्मद इमरान (28), मोहम्मद इमरान उर्फ राजू (36), मोहम्मद अफ्फान (20), मोहम्मद आदिल (20), मोहम्मद आमिर हमजा (22) और मोहम्मद उबैदुल्लाह (26) हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मध्य) निधिन वाल्सन ने कहा, शुक्रवार रात हमने पथराव में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल 16 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच अभी जारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए हैं। पुलिस ड्रोन से निगरानी और सीसीटीवी कैमरों से भी कड़ी नजर रखे हुए है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। जांच के दौरान पुलिस ने 10 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की पहचान की है, जिन पर घटना से जुड़ी गलत या अपुष्ट जानकारी देने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि एक इन्फ्लुएंसर एमन रिजवी को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह अभी तक पेश नहीं हुई है। हालांकि, रिजवी ने एक न्यूज एजेंसी से कहा कि उन्हें अब तक पुलिस की ओर से कोई समन नहीं मिला है।

जयपुर में शाह ने 9000 कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए

बोले इनको सिफारिश नहीं, योग्यता से नियुक्ति मिली

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर में 9000 नव नियुक्त कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए। राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने राम राम से भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा आज 9000 कॉन्स्टेबलों को किसी सिफारिश नहीं अपनी योग्यता से नियुक्ति मिली है। कोई राज्य तभी आगे आ सकता है जब नियुक्ति पारदर्शिता से की हो। भजनलाल ने कांग्रेस सरकार का पेपर लीक का सिलसिला खत्म कर उससे निजात दिलाई है। इस दौरान चूरू के रतन नगर पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार मिला। इससे पहले जोधपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अमित शाह ने कहा माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं रहा, जॉब क्रिएटर रहा है। ऐसे ही सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे। राम मंदिर पर पुस्तक लिख रहा युवक मेरे पास आया। मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे पास क्या जानकारी है? उसने बताया कि आजादी के बाद राम मंदिर के लिए सबसे पहले प्राणों की आहूति देने वाले दोनों भाई माहेश्वरी समाज से थे। अमित शाह ने कहा कि देश के सांस्कृति पुनर्जागरण में भी माहेश्वरी समाज का योगदान बहुत बड़ा है। माहेश्वरी समाज के हाथ में तलवार भी अच्छी लगती है, तराजू भी। समाज के दिए हुए भामाशाहों की सूची बनाएंगे तो कई पेज भर जाएंगे। शनिवार को शाह पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में चल रहे माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा देश को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम लाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं, जिन्हें माहेश्वरी समाज कर सकता है। पहली, जो उत्पादन करते हैं तो वो करिए, लेकिन साथ में ऐसी चीजों का उत्पादन भी करें, जो भारत में नहीं बनती है। दूसरी, स्वदेशी। जितना हो सके, उतना स्वदेशी चीजों का उपयोग करें। यह तय कर लें कि मेरे देश में बनी है, उसी चीज का व्यापार करूंगा। स्वदेशी के साथ स्वभाषा का भी उपयोग करें। जब मुगलों के साथ लड़ते थे तो राजा-महाराजा के खजाने भरने का काम माहेश्वरी समाज ने किया। जब अंग्रेजों से लड़े तो महात्मा गांधी की लड़ाई का खर्च माहेश्वरी समाज के सेठों ने उठाया है। जब देश आजाद हुआ तो उद्योग के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।

निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ

अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया; घोषणा पत्र जारी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है। अजित पवार और सुप्रिया सुले की अहम बातें अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है। इस संयुक्त घोषणापत्र के

माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं। वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त मंच से भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों के सामने मजबूत संदेश जाएगा। एनसीपी के पुणे निगम चुनाव घोषणापत्र में प्रमुख वादे हर घर को नल से प्रतिदिन साफ पानी की सुविधा। यातायात और सड़कें सुरक्षित, गड्ढों से मुक्त पुणे। नियमित सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करना। शहर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना। प्रदूषण मुक्त और हरित पुणे का निर्माण। झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्वास और पुरानी इमारतों का नवीनीकरण। ढटढटछ बस और मेट्रो में मुफ्त यात्रा। 500 वर्ग फीट तक के घरों पर संपत्ति कर माफी पुणेवासियों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी प्रशासन। हर बच्चे के लिए पुणे मॉडल स्कूल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। छात्रों के लिए मुफ्त कंप्यूटर टैबलेट अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया।

हिजाब पहनने वाली बेटी एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी, यह मेरा सपना है : ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई एमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि हिजाब पहनने वाली महिला एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, श्पाकिस्तान के संविधान में लिखा हुआ है कि सिर्फ एक ही मजहब का आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बाबा साहब आंबेडकर का जो संविधान है, वो कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक वजीर-ए-आजम बन सकता है। असदुद्दीन ओवैसी का ख्वाब ये है कि एक दिन आएगा जब हिजाब पहनने

वाली बेटी इस देश की वजीर-ए-आजम बनेगी। भले हम और आप रहें या ना रहें। ऐसा हो सकता है कि तब तक जमीन में हमारी हड्डियां भी गुम जाएंगी। मगर देखना, एक दिन ऐसा होगा।श असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत तुम भड़का रहे हो, ये ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी।नफरत फैलाने वालों तुम खत्म हो जाओगे। मोहब्बत जब आम होगी तो लोगों को मालूम होगा कि कैसे इनके दिलों-दिमाग में जहर भर दिया गया था। इस बीच, ओवैसी के हिजाब वाले बयान पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं।

जमकर पीटा और फिर दे दिया जहर, बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। यहां पर एक और हिंदू की हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक यह घटना सुनामगंज जिले की है। मृतक की पहचान जॉय महापात्रो के रूप में हुई है। परिवार के मुताबिक जॉय महापात्रो की जमकर पिटाई की गई थी। इसके बाद उसे जहर दिया गया था। बाद में उसे सिलहेट मैग ओस्मानी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां आईसीयू में उसकी मौत हो गई। बता दें कि बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में कई हिंदुओं की हत्या की गई है। कुछ ही दिन पहले लिंचिंग से बचने के लिए भागता हुए एक 25 साल का युवक नहर में कूद गया था। यह लोग चोरी के शक में उसका पीछा कर रहे थे।पुलिस ने गुरुवार दोपहर भांदरपुर गांव से उसकी बॉडी बरामद की थी।

भाजपा, उसके सहयोगी असम की तीनों राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगे:हिमंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और

उसके सहयोगी दल असम में इस साल अप्रैल में रिक्त होने जा रही राज्यसभा की तीनों सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शर्मा ने दावा किया कि दो सीट पर उनके उम्मीदवारों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट भी उनके खाते में जा सकती है। भाजपा के दो सांसद, भुवनेश्वर कलिता और रामेश्वर तेली तथा एक निर्दलीय सांसद अजीत भुयान का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है। शर्मा ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, भाजपा, अगप (असम गण परिषद) और हमारा संयुक्त मोर्चा तीनों सीट पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीट पर निश्चित रूप से जीतेंगे। तीसरी सीट पर हम जीत भी सकते हैं और हार भी सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगियों ने भुयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा था क्योंकि उन्हें लगता था कि वह निष्पक्ष हैं और लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे। उन्होंने भुयान के सांसद निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए कहा, उन्होंने राज्यसभा सांसद की निधि का क्या किया, यह हम सभी जानते हैं। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 विधायक हैं।

'चुनाव आते ही ईडी को याद आते हैं दस्तावेज', कपिल सिब्बल बोले- विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत

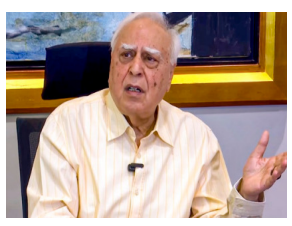

सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी जांच एजेंसी किसी दफ्तर में जाकर सभी फाइलें कैसे ले जा सकती है। अगर कोयला घोटाले की जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है। विपक्षी नेताओं को डराने के लिए हो रहा ईडी का इस्तेमाल- सिब्बल कपिल सिब्बल ने ईडी को एक सर्वव्यापी एजेंसी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है। उन्होंने केंद्र और राज्य के बीच बढ़ते टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर विवाद पैदा किया जा रहा है। सिब्बल ने आगे कहा कि चुनाव के समय ही ऐसी कार्रवाइयां क्यों तेज हो जाती हैं। कोयला घोटाला कोई नया मामला नहीं है, यह कई वर्षों से चल रहा है। फिर अब ही अचानक कार्रवाई क्यों? राज्यसभा सांसद ने यूपीए सरकार के कार्यकाल (2004 से 2014) को याद करते हुए कहा कि उस समय इस तरह की खबरें अखबारों में नहीं आती थीं।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 12591 गारेखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का किया ऑन बोर्ड निरीक्षण

गोरखपुरः महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 10 जनवरी,2026 को 12591 गारेखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का ऐशबाग से कानपुर सेन्ट्रल तक ऑन बोर्ड निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने यात्रियों को यात्रा के दौरान ट्रेन में दी जा रही सुविधाओं के साथ कोच के मेंटेनेन्स, साफ-सफाई, लिनेन की स्वच्छता तथा प्रसाधनों की साफ-सफाई तथा जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। लिनेन का अवलोकन कर उन्होने संबंधित अधिकारी को लिनेन के बेहतर रख-रखाव सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। श्री बोरवणकर ने फायर एवं स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का निरीक्षण कर, इसके उचित रख-रखाव हेतु संबंधित को निर्देशित किया। उन्होने कोच के अन्दर लगे अस्पष्ट स्टीकरों को हटाने का निर्देश दिया तथा आवश्यक एवं जागरूकता वाले स्टीकरों को स्पष्ट तरीके से निश्चित तथा पहुँच वाले जगह पर लगाने का निर्देश दिया। उन्होने दिव्यांग यात्रियों की सुविधा हेतु ब्रेल लिपि में लगाये गये बर्थ/सीट नम्बर तथा प्रसाधनों के साइनेज का भी निरीक्षण किया। पेन्ट्रीकार का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने पेन्ट्रीकार की साफ-सफाई को प्राथमिकता पर रखते हुए रेल यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उचित दर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होने यात्रियों की सुरक्षा खासकर महिला यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा महिला यात्रियों से वार्ता कर उनकी प्रतिक्रिया भी जानी। महाप्रबंधक ने विभिन्न कोचों का निरीक्षण कर यात्रियों से उनकी सुरक्षा, कोच, प्रसाधन एवं लिनेन की स्वच्छता तथा ट्रेन में कार्यरत कर्मचारियों के व्यवहार पर फीडबैक भी प्राप्त किया।

पुलिस ने साइबर फ्रॉड से सम्बंधित शत-प्रतिशत धनराशि कराई वापस

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन द्वारा साइबर जागरूकता अभियान व साइबर अपराध की रोकथाम के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस

अधीक्षक व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के पर्यवेक्षण में थाना खेसरहा क्षेत्र में हुए साइबर फ्रॉड से सम्बंधित आवेदक सुभाष चन्द्र पुत्र विजय सिंह निवासी ग्राम बेलौहा बाजार द्वारा एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराया गया कि आवेदक के फोन को हैक करके ऐक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से 18307/- का अवैध ट्रांजैक्शन कर लिया गया था। जिसके जांच के क्रम में अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष खेसरहा के नेतृत्व में उप निरीक्षक रविप्रताप सिंह सेंगर जाँचकर्ता व उप निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप यादव प्रभारी साइबर सेल थाना खेसरहा मय साइबर सेल के अथक प्रयास से हुए साइबर फ्रॉड से सर्म्बंधित शत-प्रतिशत धनराशि 18307/- को आवेदक के खाते में वापस कराया गया।

ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के दिया निर्देश

सिद्धार्थ नगर। जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास खण्ड शोहरतगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत एकडेंगा भावपुर में ह्यग्राम चौपालझगांव की समस्या, गांव में समाधानह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की।ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें शासन की योजनाओं की जानकारी मिल रही है तथा अधिकांश योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रहे। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने पर जोर देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध है।जिलाधिकारी ने किसानों से जुड़ी समस्याओं पर भी ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की भरपाई, किसान सम्मान निधि से संबंधित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने और पूर्व से संचालित योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही।उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन या दिव्यांग पेंशन से संबंधित कोई समस्या हो तो मौके पर मौजूद ब्लॉक स्तरीय कर्मचारियों को अवगत कराएं, ताकि तत्काल समाधान किया जा सके। महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के लिए

प्रेरित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इससे उन्हें आर्थिक सहायता एवं प्रशिक्षण मिलेगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी।बिजली विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने पंजीकरण कराकर बिजली बिल में छूट तथा एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाने की अपील की। राशन वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, वरासत के मामलों का समयबद्ध निस्तारण, भूमि विवाद व पैमाइश से जुड़े मामलों में आवेदन देने तथा पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर पेंशन देने के निर्देश भी दिए गए।इसके अतिरिक्त जन्म प्रमाण पत्र, आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र के आवेदनों का समय से निस्तारण, आपदा राहत, कृषक दुर्घटना बीमा योजना तथा फार्मर रजिस्ट्री कराने पर भी जोर दिया गया, जिससे किसान सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।ग्राम चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम भी विधिवत रूप से संपन्न कराया गया। इस दौरान डीएम शिवशरणप्पा जीएन, सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, एसडीएम शोहरतगढ़ विवेकानंद मिश्र, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनंदन दूबे, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह,बीडीओ चंद्रभूषण तिवारी, ग्राम प्रधान रेखा, प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश यादव,एसडीआई संजय कुमार, अजय भारतीया,रामसिंह, कुंवर कनौजिया, संदीप सरोज,निशा श्रीवास्तव, राजीव सिंह, शनि चौधरी, प्रमोद कुमार सहित अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कियाऔचक निरीक्षण

सिद्धार्थनगर जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उसका बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण

के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पंजीकरण कक्ष, पूछताछ केन्द्र, दवा वितरण कक्ष को देखा गया। आज ओपीडी में 68 मरीज आये थे। पैथॉलाजी में 08 मरीज आये थे। निरीक्षण के दौरान वैक्सीन फ्रीज बन्द पाया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। निरीक्षण के दौरान एमओआईसी अनुपस्थित पाये गये जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। जनऔषधि केन्द्र में दवा वितरण नही हो रहा था सिर्फ 02 लोगो को दवा दिया गया था। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 24 घन्टे स्वास्थ्य केन्द्र खुला रहना चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा औषधि भण्डार कक्ष को देखा गया।

कांग्रेस कार्यकर्ता कल करेंगे उपवास! मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में उतरी कांग्रेस, लखीमपुर-खीरी में मनरेगा बचाओ संग्राम का शंखनाद

लखीमपुर—खीरी ।केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) का नाम बदलने और इसके प्रावधानों में संभावित बदलावों के विरोध में लखीमपुर—खीरी जिला कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की नीतियों को गरीब विरोधी बताते हुए मनरेगा बचाओ संग्राम जन आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। घ्रोजगार की गारंटी छीन रही है सरकार – शिप्रा अवस्थी घ्प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मनरेगा आंदोलन की जिला कोआर्डिनेटर शिप्रा अवस्थी ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसे कांग्रेस सरकार ने ग्रामीणों को रोजगार का कानूनी अधिकार देने के लिए लागू किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अब इस योजना का नाम बदलकर और बजट में कटौती कर गरीबों से उनके हक का रोजगार छीनने का प्रयास कर रही है शिप्रा अवस्थी ने चेतावनी दी कि

कांग्रेस इस अधिकार को खत्म नहीं होने देगी। प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने कहा कि सरकार गरीबों से रोजगार छीनना चाहती है वहीं कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि मनरेगा पिछले 20 वर्षों से भारत के मजदूरों की जीवन रेखा रही है कोविद महामारी के दौरान, जब मोदी सरकार ने बिना किसी योजना के लॉक डाउन लागू कर दिया उसके चलते लाखों प्रवासी मजदूर घर लौटने को मजबूर हुई है और कम से वंचित हो गए ऐसे समय में मनरेगा ने 4.6 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया घ्गांव—गांव तक जाएगा आंदोलन, कार्यकर्ता रखेंगे उपवास घ्जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने आंदोलन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि कांग्रेस के कार्यकर्ता जिला स्तर पर एक दिन का उपवास रखकर विरोध दर्ज कराएंगे। इसके साथ ही एक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत कार्यकर्ता गांव—गांव जाकर लोगों को मनरेगा के महत्व और केंद्र सरकार की कथित साजिश के बारे में जागरूक करेंगे। घ्इनकी रही मौजूदगी! घ्इस दौरान पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा,मोहन चन्द्र उप्रेती,नवाज खान,मो शाद,अमित गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता,सत्ती सरन गौतम, रामपाल शाक्य, डाक्टर रईस अहमद उस्मानी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज में सागौन कटान पर घमासान, अनुमति नीलामी पर उठे गंभीर सवाल

सिंगाही / निघासन—खीरी। राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज में इमारती लकड़ी (सागौन) के पेड़ों की कटान का मामला इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। कॉलेज परिसर में लगे कीमती सागौन के पेड़ों को चुपचाप काटे जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस प्रकरण में उप प्रभागीय वनाधिकारी, रेंजर बेलरायां का बयान भी अवैध लकड़ी कटान की पुष्टि की ओर इशारा करता है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। बताया जा रहा है कि इन दिनों दुधवा नेशनल पार्क की बफर जोन रेंज बेलरायां क्षेत्र में शीशम व सागौन जैसी प्रतिबंधित प्रजातियों की लकड़ी का खुलेआम बड़े पैमाने पर कटान हो रहा है। वन विभाग द्वारा छोटे—छोटे परमिट जारी किए जाने की बात सामने आ रही है, लेकिन कटे पेड़ों की संख्या, नीलामी और अनुमति की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ताजा मामला कस्बे के राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज, सिंगाही से जुड़ा है। कॉलेज प्रांगण में छात्र—छात्राओं को स्वच्छ वातावरण व छाया उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्षों पूर्व विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए थे। अब उन्हीं सागौन के पेड़ों के कटान को लेकर प्रबंध समिति की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि समिति के कई सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा पेड़ कटान की पूर्व सूचना तक नहीं दी गई। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी रेंजर भूपेंद्र सिंह द्वारा सागौन के पेड़ों के कटान की अनुमति (परमिट) होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन कितने पेड़ों की अनुमति दी गई, इसका स्पष्ट विवरण सामने नहीं आया है। जानकारों का मानना है कि यह अस्पष्ट और टालमटोल वाला बयान पूरे प्रकरण को संदिग्ध बनाता है। कॉलेज प्रबंध समिति के सदस्य सुनील भत्रा ने बताया कि पेड़ों की नीलामी या कटान को लेकर न तो उन्हें कोई जानकारी दी गई और न ही प्रबंध समिति की बैठक में कोई प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं कॉलेज के प्रबंधक संजय तिवारी का कहना है कि 18 सागौन के पेड़ों की कटान की अनुमति वन विभाग से ली गई थी। उनका यह भी कहना है कि किसी भी संस्था की संपत्ति की बिक्री के लिए विधिवत बैठक, समिति की सहमति, प्रेस में विज्ञप्ति और खुली नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाती है। अब सवाल यह उठता है कि यदि अनुमति थी, तो नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई? कटे हुए सागौन की वास्तविक संख्या क्या है? लाखों की लकड़ी का लेन—देन किसके खाते में गया? मामले ने तूल पकड़ लिया है और स्थानीय लोग जिला प्रशासन व वन विभाग से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोटेदार ने अपना व अपने घर के सदस्य का बनाया अंतोदय राशनकार्ड

सिंगाही—खीरी ।सरकार की महत्वपूर्ण गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न देने की योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है द्यअंतोदय कार्ड में सरकार के 35 किलो खाद्यान्न देने की योजना में सार्वजनिक वितरण प्रणाली सरकारी गल्ले की दुकान को संचालित करने वाले कोटेदार ने खुद ही अपना व अपने परिवार के एक सदस्य के नाम अंतोदय कार्ड बनाकर कई वर्षों से कार्ड का लाभ ले रहा है। विकास क्षेत्र निघासन की ग्राम पंचायत सिंगाही देहात के सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान का संचालन करने वाले दुकानदार फागू राम ग्राम पंचायत सिंगाही देहात की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की गल्ले की दुकान को चलाते हैं। विभागीय लापरवाही के कारण उनका कार्ड संख्या 21532085211 अंतोदय कार्ड बना हुआ यही नहीं उनके पुत्र निर्मल पुत्र फागुराम कार्ड संख्या 21532037713अंतोदय कार्ड बना है। दोनों कार्डों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदार स्वयं ही खाद्यान्न ले रहे है। क्या बोले जिम्मेदार! निघासन सप्लाई इंस्पेक्टर रामजी यादव ने बताया की दुकान के संचालन करने वाले व्यक्ति का अंत्योदय कार्ड नहीं होना चाहिए जल्दी कार्ड निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

दस वारंटी अभियुक्तों को मैगलगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

मैगलगंज / औरंगाबाद खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे वंचित वारंटी अभियान में क्षेत्राधिकारी मितौली यादवेंद्र यादव के निर्देशन में व अपराध प्रभारी निरीक्षक अखिलेश गंगवार के कुशल मार्गदर्शन में मैगलगंज पुलिस द्वारा शनिवार को अलग— अलग धाराओं में नौ नफर वारंटी अभियुक्त कल्लू सिंह उर्फ़ प्रदीप सिंह पुत्र रघुराज 45 वर्षीय नकारा निवासी, नंदलाल पुत्र बाबूराम 52 वर्षीय रावन खुर्द निवासी, अशरफ पुत्र अब्दुल हमीद 22 वर्षीय ककरहा निवासी, संदीप पुत्र सियाराम 30 वर्षीय रावन खुर्द निवासी, सुधीर पुत्र केशन उर्फ श्री केशन 22 वर्षीय छोटेलालपुर निवासी, नन्हे पुत्र जानकी कश्यप 32 वर्षीय औरंगाबाद निवासी, अनुज मिश्रा पुत्र शिवकुमार मिश्र 37 वर्षीय ईटारा निवासी, मिथिलेश रविदास पुत्र स्वर्गीय श्री राम 30 वर्षीय धर्मपुर नयागांव निवासी, अनुज पुत्र रमेश 26 वर्षीय यादव मोहल्ला मैगलगंज निवासी आदि वारंटी अभियुक्तों को मैगलगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक सुनील तिवारी, उपनिरीक्षक झरिया सिंह, उपनिरीक्षक राजपाल सिंह, उप निरीक्षक चरण सिंह यादव, हेड कांस्टेबल मोहम्मद असलम, सुमित जेनर, देवेंद्र सिसोदिया, विवेक वर्मा, रविकांत यादव, नितिन कुमार, सतीश कुमार, प्रदीप सरोज,लोकेंद्र कुमार, इंद्रेश कुमार, अजय कुमार, रवि कुमार व कांस्टेबल रोहित कुमार आदि पुलिस टीम मौजूद रही। मैगलगंज पुलिस की लगातार कार्यवाहियों से क्षेत्र में अपराधियों में भय का माहौल व्याप्त है। क्षेत्र में लगभग काफी हद तक अपराधों पर अंकुश लगाने में मैगलगंज पुलिस को सफलता हासिल हुई है।

खनन के खिलाफ किसानों का संघर्ष तेज, नौवें दिन भी धरना जारी, मशीनें हटीं, लेकिन आंदोलन बरकरार

सिंगाही / बेलरायां—खीरी। थाना सिंगाही क्षेत्र के मांझा गांव में खनन आवंटन के विरोध में किसानों का आंदोलन लगातार नौवें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहा। किसानों की एकजुटता और बढ़ते दबाव के चलते खनन ठेकेदारों को खनन स्थल से पोकलैंड समेत अन्य भारी मशीनरी हटानी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद किसानों ने धरना समाप्त करने से साफ इनकार कर दिया है। लगातार चल रहे धरना—प्रदर्शन और मौके पर बने तनावपूर्ण हालात को देखते हुए ठेकेदारों ने जेसीबी मशीनों की मदद से खनन कार्य में लगी मशीनों को हटाया। हालांकि किसानों का कहना है कि मशीनें हटाया जाना केवल दिखावटी और अस्थायी कदम है, जिससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब तक प्रशासन की ओर से खनन पट्टा पूरी तरह निरस्त किए जाने का

लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। किसान नेता परमजीत सिंह पम्मी ने कहा कि यदि भविष्य में दोबारा खनन कार्य शुरू किया गया तो इसका सीधा असर किसानों की कृषि भूमि, पर्यावरण और गांव की शांति पर पड़ेगा। किसानों का आरोप है कि खनन से भूजल स्तर तेजी से गिरेगा, खेती योग्य भूमि नष्ट होगी और ग्रामीण जीवन प्रभावित होगा। यही नहीं, गांव में अशांति फैलने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसे लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। धरना लंबा खिंचने और ग्रामीणों की अभूतपूर्व एकजुटता के चलते प्रशासन पर भी दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कोई ठोस, पारदर्शी और लिखित निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप दिया जाएगा। हालांकि सूत्रों के अनुसार जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। भारतीय सिख संगठन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मी, विंदर सिंह, केवल सिंह तथा विधानसभा भारतीय सिख संगठन के उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह रंधावा सहित विभिन्न किसान संगठन मौजूद रहा ।

द. अफ्रीका के बाद स्कॉटलैंड के खिलाफ भी गरजे वैभव, 190+ के स्ट्राइक रेट से की बल्लेबाजी

बुलावायो (एजेंसी)। अंडर-19 विश्व कप से पहले भारतीय टीम आज बुलावायो में स्कॉटलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। इस मुकाबले में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। अंडर-19 विश्व कप की शुरूआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। भारतीय अंडर-19 टीम आज स्कॉटलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। बुलावायो में खेले जा रहे इस मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। बता दें कि, स्कॉटलैंड अंडर-19 टीम के कप्तान थॉमस नाइट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। 190+ के स्ट्राइक रेट से गरजा वैभव का बल्ला इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों का सामना किया और 96 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से नौ चौके और सात गगनचुंबी छक्के निकले। वहीं, उनका स्ट्राइक रेट 192.00 का रहा। हालांकि, वह शतक पूरा करने से सिर्फ चार रन से चूक गए।

सीएम डैशबोर्ड की दिसंबर की रैंकिंग में बरेली और लखीमपुर खीरी ने मारी बाजी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग जारी की गयी है। डेवलपमेंट और रेवन्यू में बरेली ने प्रथम, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर ने बराबर अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है जबकि चौथा स्थान सोनभद्र ने प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग प्रदेश भर के जिलों में होने वाले आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जारी की जाती है। जिलाधिकारी बरेली ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिले में प्राथमिकता के आधार पर आधारभूत सुविधाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए जिले के अधिकारियों के साथ बैठक के साथ मॉनीटरिंग की जाती है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में बरेली ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिले ने डेवलपमेंट और रेवन्यू के मामले में 10 अंकों में से 9.27 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है।लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिले में सरकार की योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयबद्ध पूरा किया जा रहा है। यह उसी का परिणाम है कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले ने डेवलपमेंट और रेवन्यू के मामले में 10 अंकों में से 9.26 अंक प्राप्त कर किये हैं। सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग के आंकड़ों के अनुसार जिले ने आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि राजस्व विभाग ने भी बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश भर में दूसरा स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। वहीं लखनऊ मंडल में आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार चार माह से लखीमपुर खीरी पहले स्थान पर है। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण, जनसुनवाई और ऑनलाइन फीडबैक की कड़ी निगरानी ने लखीमपुरी खीरी को लखनऊ मंडल में अव्वल बना दिया है।

बीजेपी सरकार ने आशा वर्कर से की वादा खिलाफी: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में लंबित मांगों को लेकर आशा वर्कर्स लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। आशा वर्कर अपनी मांगों को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन कर रही हैं, ज्ञापन दे रही हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका समर्थन करते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार वादाखिलाफी कर रही है और आशा बहनों को नीचा दिखाने के लिए आपत्तिजनक भाषा का भी इस्तेमाल कर रही है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, भाजपा सरकार ने आशा वर्कर्स से किया कोई वादा पूरा नहीं किया है, इसी कारण आशा बहनों के बीच निराशा और गुस्सा फैला हुआ है। ऊपर से वादाखिलाफी करनेवाली भाजपा सरकार शासन और प्रशासन दोनों ही आशा बहनों को नीचा दिखाने के लिए जब गलत और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करके उनका अपमान करते हैं तो ये क्रोध, आक्रोश में बदल जाता है।जब भाजपाई कहते हैं कि आशा वर्कर अपने पतियों को बैठाकर खिलाती हैं तो इसका मतलब है कि भाजपा के राज में बेकारी-बेरोजगारी इतनी ज्यादा है कि आशा वर्करों के घर-परिवार में बेरोजगारी की वजह कोई काम करनेवाला नहीं है।

योगी मिशन को साकार कर रहा फतेहपुर, एआई एप से वैक्सीनेशन की निगरानी

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़कर सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए हर स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने पर जोर दिया जा रहा है। सीएम योगी के विजन को आत्मसात करते हुए फतेहपुर जिले ने एक मिशाल पेश की है, जहां एआई आधारित एप स्मार्ट वैक्सीनेशन ट्रैकिंग सिस्टम विकसित कर बच्चों के टीकाकरण की निगरानी की जा रही है। फतेहपुर जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां बच्चों के वैक्सीनेशन के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के तहत आकांक्षात्मक ब्लॉक हथगाम में शुरू किया गया है। इसके सफल परिणाम को देखते हुए अब इसे पूरे जिले में शुरू करने की दिशा में कदम बढाए जा रहे हैं। इस एप से ब्लॉक में टीकाकरण की दर में बहुत अच्छा सुधार होते हुए दर 95 प्रतिशत तक पहुंच गयी है।फतेहपुर डीएम रविंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य सेवाओं को टेक्नोलॉजी से जोड़ने के विजन के तहत बच्चों के वैक्सीनेशन की निगरानी के लिए एआई आधारित एप को विकसित किया गया है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के तहत आकांक्षी ब्लॉक हथगाम में एक सितंबर को लागू किया गया। इससे नवजात शिशुओं और बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी सभी जानकारी उनके अभिभावकों को समय पर व्हाट्सएप से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही आसपास होने वाले वीएचएनडी विलेज हेल्थ एंड न्यूट्रिशन डे सेशन की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही। इससे अभिभावक समय रहते अपने बच्चों का टीकाकरण करा रहे हैं। इसी के साथ फतेहपुर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां बच्चों के वैक्सीनेशन की निगरानी के लिए एआई आधारित एप का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस अभिनव पहल की खास बात यह है कि इसे खुद डीएम रविन्द्र सिंह ने तैयार किया है। एप का उद्देश्य नवजात शिशुओं और बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण को सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी बच्चा अपने पहले वर्ष में जरूरी टीकों से वंचित न रह जाए।डीएम रविंद्र सिंह ने बताया कि एप खासियत इसमें एआई तकनीक के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग और डाटा एनालिसिस की सुविधा है। इसके माध्यम से उन क्षेत्रों की पहचान आसानी से की जा रही है, जहां टीकाकरण की दर कम है या किसी कारणवश बच्चे टीकाकरण से छूट रहे हैं। एआई आधारित विश्लेषण से न सिर्फ समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान हो रही है, बल्कि उसकी वजहों को भी चिन्हित कर त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। एप के जरिये मां को टीकाकरण से पहले स्वतः रिमाइंडर संदेश भेजा जाता है, जिससे भूल या जानकारी के अभाव में टीकाकरण छूटने की समस्या को दूर किया जा सके। स्वास्थ्य कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एएनएम के लिए अलग से एक मोबाइल एप भी तैयार किया गया है। एप में एएनएम को रियल टाइम ड्यू लिस्ट उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें जानकारी मिल रही कि किस क्षेत्र में किन बच्चों का टीकाकरण शेष है। ओसीआर ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन तकनीक का उपयोग करते हुए केवल एमसीपी कार्ड की फोटो अपलोड करके बच्चे का टीकाकरण स्टेटस अपडेट किया जा रहा है। इससे मैनुअल एंट्री में होने वाली त्रुटियों में भी कमी हुई है और काम की गति तेज हुई है। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि एआई आधारित एप को विकसित करने से पहले स्वास्थ्य विभाग, आमजन और डब्ल्यूएचओ से संवाद स्थापित किया गया। सभी के सुझावों को शामिल कर ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है, जो व्यवहारिक और प्रभावी दोनों हैं।

घर के अंदर 4 साल की बच्ची की जलकर मौत,बहन के साथ कमरे में सो रही थी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में घर के अंदर जलकर 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। वह अपनी 6 साल की बहन के साथ कमरे में सो रही थी। कमरे में ही छोटा मंदिर है। उसमें रखे दीपक से आग पर्दे पर लगी फिर कमरे में भी फैल गई। बड़ी बहन उठकर भाग गई लेकिन 4 साल की बच्ची आग में ही झुलस गई। दुर्घटना इंदिरानगर थाना क्षेत्र के सुगामऊ हनुमंतपुरम की डूडा कॉलोनी में हुई। यहां सुमित कुमार रहते हैं। वह पत्नी के साथ सब्जी लेने गए तभी उनके घर में हादसा हो गया। सुमित ड्राइवरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। वह कुछ बोलने से पहले ही फफक पड़ते हैं। सुमित ने खुद को संभालते हुए बताया शुक्रवार रात करीब 9 बजे कमरे में आग लग गई। कमरे में दोनों बेटी पंखुड़ी और अविका सो रही थी। आग की लपटें देख पंखुड़ी बाहर भाग गई जबकि छोटी बेटी आग की चपेट में आ गई। पंखुड़ी बाहर निकलकर चिल्लाई। आसपास के लोगों ने इकट्ठा होकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग विकराल रूप ले चुकी थी। धुआं भर जाने के कारण अविका किसी को दिखाई नहीं दी। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने उसे बाहर निकाला। गंभीर हालत में में निजी अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टर ने लोहिया हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। लोहिया अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। पुलिस में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पिता सुमित ने बताया वह काम से आने के बाद घर से कुछ दूरी पर पत्नी शिल्पी के साथ सब्जी लेने गए थे।

भारत में 140 करोड़ लोग सनातनी, केवल पूजा पद्धति बदली: रितेश्वर जी महाराज

लखनऊ (संवाददाता)। सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने भारत के 140 करोड़ लोगों को सनातनी बताया है। उन्होंने कहा है कि भारत के रहने वाले सभी लोग एक ही पूर्वज की संतान हैं, केवल उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन वह सभी सनातनी हैं। इसलिए भारत हमेशा से हिन्दू राष्ट्र रहा है। इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह बातें पत्रकारों के पूछे गये सवाल के जवाब में कहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि भारत में रहने वाले हर शख्स को संविधान के हिसाब से रहना होगा, चाहे वो कोई बाबा ही क्यों न हो। इसके अलावा उन्होंने बीजेपी के पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह का दबादबा था, दबादबा है और दबदबा बना रहेगा विशलेषण भी किया। उन्होंने बताया कि आखिर क्या है पूर्व सांसद के दबदबे का रहस्य। दरअसल, सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज लखनऊ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में पत्रकारों से बात की और राष्ट्रकथा के महत्व पर बात की और यह क्यों जरूरी है, इसे भी बताया। उन्होंने कहा कि देवी भागवता कथा, हनुमंत कथा आदि कथा बहुत समय से चल रहीं थीं, लेकिन इस विषय पर चिंतन हुआ कि जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तो सबकुछ रहेगा। इसलिए राष्ट्र की अखण्डता, एकता और सुरक्षा के लिए राष्ट्रकथा कराने पर विचार बना। जिसका श्रेय उन्होंने पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह को दिया। उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुये कहा कि भारत पहले से हिंदू राष्ट्र हैं, यहां रहने वाला हर भारतीय सनातनी है, सबके पूर्वज एक हैं, बस उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है। उन्होंने बंगाल में बाबरी मस्जिद के निर्माण पर कहा कि मस्जिद बाबर के नाम पर नहीं पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर बननी चाहिए। सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने गोंडा में बीजेपी के पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह द्वारा नंदिनी निकेतन में आयोजित 8 दिवसीय राष्ट्रकथा कार्यक्रम में दबादबा था, दबादबा है और दबदबा बना रहेगा की बात कही थी, जिसका आज अर्थ भी समझा। उन्होंने कहा कि गांव,गरीब और छात्र के उत्थान के लिए कार्य करने वाले का दबदबा हमेशा रहता है और बृज भूषण शरण सिंह इसी तहर का ही काम करते हैं। इस अवसर पर उनके साथ विधायक प्रतीक भूषण सिंह, विधायक डॉ. नीरज बोरा समेत कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा पार्षद के घर के बाहर गोवंश का सिर मिला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भाजपा पार्षद के घर के बाहर गोवंश का सिर मिला है। सिर के साथ बॉडी के अन्य हिस्सों का अवशेष भी लगा हुआ था। पार्षद अनूप कमल सक्सेना मेयर और नगर निगम प्रतिनिधिमंडल के साथ गुजरात गए हुए हैं। उन्होंने घटना की जानकारी होने पर कहा कि कोई कुत्ता इसे घसीटकर लाया होगा। घटना शनिवार सुबह की राजाजीपुरम सी-ब्लॉक के शीतला देवी वार्ड की है। पार्षद अनूप कमल की पत्नी सुबह घर के बाहर निकलीं तो उन्हें मृत गोवंश का सिर और अवशेष दिखा। वह डर गईं। उन्होंने तुरंत लौटकर घरवालों को इसकी जानकारी दी और पति को फोन कर बताया। सूचना पर नगर निगम के कर्मी और पुलिस की टीम पहुंची। पार्षद की पत्नी तुरंत परिवार और स्थानीय लोगों को बताया। कुछ ही देर में यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और लोग मौके पर जमा होने लगे। काफी भीड़ लग गई थी। लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे। किसी ने कहा कोई पार्षद को फंसाने के लिए यह किया होगा तो किसी ने कहा कि कुत्ते इस अवशेष को कहीं से घसीट लाए होंगे। मामले में सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम और नगर निगम कर्मियों ने मौके से अवशेषों को हटवाया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किसने और कब किया। पार्षद ने कहा है कि पुलिस को लिखित शिकायत भी दी है। घटना की जानकारी मिलने पर पार्षद अनूप कमल ने फोन पर कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं है। कोई कुत्ता घसीटकर लाया होगा। ऐसा कुत्ते ही कर सकते हैं। सवेरे पुलिस आई थी। मामले की तहकीकात की गई। मुझे लगता है कि कोई कुत्ता मृत गोवंश का अवशेष लाया होगा। बता दें कि पार्षद ने सुबह अवशेष दिखने पर कहा था कि यह सोची-समझी साजिश है। सुबह स्थानीय लोगों का कहना था कि सुबह जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे तो अवशेष देखे। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल, जांच में सीसीटीवी फुटेज से सुराग मिलने की उम्मीद है। बताया जा रहा था कि घटना के बाद से परिवार बुरी तरह से डरा हुआ है। परिवार ने यह तक कहा था कि इससे उनकी धार्मिक मान्यता को ठेस पहुंची है।

हिमाचल का गांजा तस्कर गिरफ्तार, एनसीबी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से 221 किलों गांजा जब्त किया

लखनऊ (संवाददाता)। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) लखनऊ जोनल यूनिट ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थित महुआ टोल प्लाजा के पास एक फोर्स ट्रैवलर गाड़ी से 221 किलो गांजा जब्त किया। एनसीबी की इस कार्रवाई में हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के रहने वाले 41 वर्षीय विजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। एनसीबी अधिकारियों के अनुसार शुरूआती जांच में पता चला है कि यह भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बिहार से लाया जा रहा था और इसे अंबाला, हरियाणा पहुंचाया जाना था। गाड़ी की तलाशी के दौरान गांजे की खेप सीलबंद पैकेटों में छिपाकर रखी गई थी। टीम ने मौके पर ही पंचनामा करने के बाद गांजा के साथ में वाहन को भी कब्जे में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। ताकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और सप्लायरों तक पहुंचा जा सके। एनसीबी की टीम ने कहा है कि नशे के कारोबार पर नकेल कसने के लिए ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता: स्टेट लेवल स्किल्स कम्पटीशन का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को कौशल से सफलता की ओर, हर प्रतिभा को मिले अवसर और पहचान के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत राज्य स्तरीय स्किल्स कम्पटीशन का आयोजन के सफल संचालन हेतु ग्राउंड लेवल पर विभागीय टीमें पूर्ण उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं ताकि प्रतियोगिता सहज, पारदर्शी प्रभावशाली हो। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के लिए प्रदेश में109249 अभ्यर्थियों नेपंजीकरण कराया है जो देश में सर्वाधिक है। जनपद और मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्ण हो चुका है। अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता युवाओं में आत्मविश्वास, व्यावसायिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा, जिससे उन्हें आगे और बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी।कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि राज्य स्तरीय स्किल्स कम्पटीशन 12, 13, 19, 20, 22 एवं 23 जनवरी को किया जाएगा जबकि 24 जनवरी को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा। प्रतियोगिता 20 स्किल्स में की जा रही है, जिनमें एडिटिव मैन्युफैक्रिंग, वेल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन टेक्नोलॉजी, सीएनसी मिलिंग, सीएनसी टर्निंग, ऑटोबॉडी रिपेयर, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, आईसीटी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट, वेब टेक्नोलॉजी, ब्यूटी थेरेपी, हेयर ड्रेसिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, प्लंबिंग एंड हीटिंग, ब्रिकलाइंग तथा हेल्थ एंड सोशल केयर शामिल हैं। प्रतियोगिता आईटीआई अलीगंज आईटीआई मोहनलालगंज आईटीओटी, रेमंड सेंटर, राजकीय पॉलिटेक्निक, आईटीआई चारबाग, पॉलिटेक्निक महिला, सीआईपीईटी सहित विभिन्न संस्थानों में की जा रही है। प्रतियोगिता के प्रत्येक चरण में प्रतिभागियों की कौशल दक्षता, नवीनता, रचनात्मक सोच और प्रदर्शन क्षमता का सूक्ष्म एवं निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा रहा है।

पूर्व राज्यमंत्री ने बांटी मतदाता सूची,विधानसभा प्रभारियों को एसआईआर सूची का वितरण

लखनऊ/वाराणसी (संवाददाता)। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल ने सेवापुरी और रोहनिया विधानसभा क्षेत्रों के समाजवादी पार्टी (सपा) प्रभारियों को एसआईआर मतदाता सूची वितरित की। यह कार्यक्रम शनिवार को बीरभानपुर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। सपा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कन्हैयालाल राजभर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मतदाता सूची वितरण के साथ-साथ अभिनंदन समारोह भी हुआ। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए। मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिन मतदाताओं, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं, के नाम मतदाता सूची या एसआईआर सूची में छूट गए हैं, उन्हें तत्काल दर्ज कराया जाए। पटेल ने उपस्थित सभी सपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से 2027 के आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराते हुए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पूर्व राज्यमंत्री ने सभी पदाधिकारियों को नववर्ष की बधाई दी और अल्पाहार की व्यवस्था की। कार्यक्रम का संचालन राजेश यादव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सेवापुरी विधानसभा अध्यक्ष पखंडी राम बिंद और रोहनिया विधानसभा अध्यक्ष गोपाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. बहादुर यादव, पूर्व प्रमुख रामबालक पटेल, प्रदेश सचिव मनीष सिंह, डॉ. उमाशंकर यादव, शशि यादव सहित कई अन्य प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कमता चौराहे पर कदम-कदम चलीं गाड़ियां,पॉलिटेक्निक से चिनहट तक जाम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कमता चौराहे पर गाड़ियां कदम-कदम चल रही हैं। यहां जाम की स्थिति है। अयोध्या रोड पर पॉलिटेक्निक चौराहे से लेकर कमता तक गाड़ियों की 4 कतारें लगी हुई हैं। ट्रैफिक का जबरदस्त दबाव बढ़ा हुआ है। शनिवार सुबह गोमतीनगर क्षेत्र में सुषमा हॉस्पिटल, कामता तिराहा और पॉलिटेक्निक चौराहे के पास भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिली। इसकी वजह से हाईकोर्ट और अवध बस डिपो की ओर जाने वाले यात्रियों को सबसे अधिक दिक्कतें हुईं।

मेरठ में बेटी के अपहरण और मां की हत्या पर तनाव

लखनऊ (संवाददाता)। मेरठ में एक महिला की हत्या और उसकी बेटी के अपहरण के बाद विपक्षी दलों ने उत्तर प्रदेश सरकार की कड़ी आलोचना की है। विपक्षी दलों ने कहा कि उत्तर प्रदेश को कानून-व्यवस्था की अराजकता की स्थिति में धकेला जा रहा है। कांग्रेस नेता उदित राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मेरठ के कपसाड़ गांव में दलित महिला खेत जाने के लिए अपनी बेटी के साथ घर से निकली थी। रास्ते में गुंडे एक बेटी को किडनैप करने लगे। मां ने रोकने की कोशिश की तो उसकी हत्या कर दी और बेटी को उठा ले गए। इस घटना को करीब 48 घंटे हो चुके हैं, लेकिन कुछ पता नहीं लग सका है।उदित राज ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की घटनाएं बहुत बढ़ी हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, क्या आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के घरों पर बुलडोजर चला? हिंदू राष्ट्र अभी बना नहीं, उसके पहले की झलक है।समाजवादी पार्टी नेता योगेश वर्मा ने कहा, घटना बहुत दर्दनाक और चौंकाने वाली है। इसने पूरे दलित समुदाय को हिला दिया है। ऐसे क्रूर काम पर कार्रवाई होनी चाहिए और सरकार को जिम्मेदार लोगों को सबक सिखाना चाहिए। अब तक प्रशासन को बुलडोजर लेकर आरोपियों के घरों तक पहुंच जाना चाहिए था।मेरठ पुलिस के अनुसार जिले के कपसाड़ गांव में अपराधियों ने 20 साल की लड़की का अपहरण किया था। 50 साल की महिला ने अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की लेकिन अपराधियों ने धारदार हथियार से हमला किया। महिला की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।इस घटना से इलाके में गुस्सा है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान पारस सोम, सुनील कुमार के रूप में की है। दोनों उसी गांव के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों और अगवा की गई लड़की की तलाश में जुटी है।

युवक-युवती ट्रेन के आगे कूदे, मौत,एक साथ ऑफिस में करते थे काम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में युवक-युवती ट्रेन के आगे कूद गए। उनकी टुकड़ों में कटी लाश ट्रैक किनारे पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस सुसाइड के कारणों की जांच कर रही है। घटना तालकटोरा थाना क्षेत्र में पारा क्रॉसिंग के पास शनिवार दोपहर पौने 2 बजे हुई। मृतक की पहचान निशातगंज न्यू हैदराबाद बैरल नंबर 7 बल्दा कॉलोनी के रहने वाले सूर्यकांत (40) के रूप में हुई। वहीं युवती की पहचान अर्जुन गंज शाह खेड़ा गांव की रहने वाली दीपाली (25) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी विकास कुमार ने बताया युवक युवती पारा क्रासिंग के पास करीब ढाई घंटे से टहल रहे थे। एक बजकर 45 मिनट पर वंदे भारत ट्रेन गुजरी। अचानक युवक-युवती सामने से आती ट्रेन के आगे ट्रैक पर लेट गए। लोगों ने आवाज लगाई तब तक ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। इससे युवती का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि युवक के दोनों हाथ कट गए। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एडीसीपी धनंजय कुशवाहा ने बताया कि युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट तीन दिन पहले परिजनों ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। युवती के पास से एक मोबाइल बरामद हुआ है। युवक के पास से 2 मोबाइल आधार कार्ड और दूसरे दस्तावेज मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बच्चे लेकर बुलडोजर के सामने खड़ी हुई महिलाएं,दरोगा के सामने हथौड़ा उठाया

लखनऊ/वाराणसी (संवाददाता)। वाराणसी नगर निगम की टीम शनिवार को रोहनिया के अविलेशपुर गांव में कब्जा हटाने पहुंची। मकानों पर बुलडोजर चलाना शुरू किया तो महिलाओं ने विरोध किया। बच्चों को लेकर बुलडोजर के सामने खड़ी हो गईं। टीम उन्हें किनारे हटाने लगी तो पुलिस से उनकी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिलाओं ने रोते हुए कहा बद्दुआ देती हूं, तुम लोग कभी सुखी नहीं रहोगे। पुलिस के सामने एक महिला हथौड़ा लेकर खड़ी हो गई। गाली देते हुए महिला दरोगा पर हथौड़ा तान दी। एक महिला डंडा लेकर विरोध करती दिखी। एक महिला अर्चना ने कहा इस कार्रवाई से कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। आज की कार्रवाई से 20 परिवारों के चूल्हे नहीं जलेंगे। हम अपने अधिकारों के लिए चक्काजाम करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस पैसा लेकर उनके साथ अराजकता कर रही है। नगर निगम की टीम ने यहां के सभी 20 मकानों को बुलडोजर से गिरा दिया है। मलबे को हटाकर जमीन पर टीनशेड की बाउंड्री बनाकर उसे लॉक कर दिया है। अपर नगर आयुक्त और सहायक नगर आयुक्त ने कहा- यह जमीन सरकारी है। इस पर अवैध निर्माण करके रह रहे थे। कार्रवाई के समय रोहनिया, अखरी चौकी, चितईपुर और लोहता थाने की फोर्स तैनात रही। अतिरिक्त पुलिस बल को भी तैनात किया गया था।

थाना समाधान दिवस का आयोजन,पुलिस अधिकारियों ने सुनी लोगों की फरियाद

लखनऊ/वाराणसी (संवाददाता)। सरकार की मंशा के अनुरूप वाराणसी के राजातालाब सर्किल के सभी थानों में थाना दिवस का आयोजन हुआ राजातालाब थाना परिसर में भी शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्व अधिकारियों और थाना प्रभारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके समयबद्ध व निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी दयाराम और समाधान दिवस के प्रभारी अशोक कुमार तिवारी मौजूद रहे। राजातालाब थाने में कुल 5 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें सभी राजस्व विभाग से संबंधित थे। इनमें से 2 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए। इसी तरह, मिजार्मुराद थाने में 6 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जो सभी राजस्व से संबंधित थे। इनमें से एक का मौके पर निस्तारण किया गया। कपसेठी थाने में भी 6 प्रार्थना पत्र मिले, जिनमें से दो पुलिस से संबंधित थे और उनका तत्काल निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी दयाराम ने बताया कि समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण करना है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए और सभी मामलों में पारदर्शिता व संवेदनशीलता बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्व से जुड़े विवादों में मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए, ताकि आमजन को न्याय मिल सके और शासन की योजनाओं पर जनता का भरोसा बना रहे। समाधान दिवस में पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने फरियादियों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

मंत्र भारत

लखनऊ-रविवार,11 जनवरी 2026

सम्पादकीय

दूषित पेयजल

यह विडंबना ही है कि हमारे नागरिक प्रशासन का नियामक तंत्र आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं होता। यदि समय रहते संवेदनशील या फिर घातक साबित होने वाली स्थिति व परिस्थिति पर नजर रखी जाए तो जनधन की हानि टाली भी जा सकती है। हाल ही में दूषित पेयजल से इंदौर में हुई जन हानि के बाद रोहतक और झज्जर की उन चेतावनियों की अनदेखी नहीं की जा सकती,जिसमें नागरिक घरों में आने वाले गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत करते रहे हैं। निश्चय ही इस स्थिति को जन स्वास्थ्य से जुड़े आपातकाल के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत की जांच-पड़ताल कर अविलंब कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन इसके बावजूद जवाबदेही न निभाने और एक-दूसरे विभाग पर दोष मढ़ने का पुराना सिलसिला ही अकसर सामने आता है। उल्लेखनीय है कि इंदौर की हालिया दूषित पेयजल की त्रासदी में नगरपालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विडंबना यह है कि वहां भी नागरिकों की शुरूआती चेतावनियों को सामान्य शिकायतों के रूप में देखकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि इंदौर में पेयजल पाइपलाइनों में सीवेज का रिसाव हुआ था। यह स्वीकारोक्ति भी तब सामने आई जब बड़ा नुकसान हो चुका था। लगता है कि रोहतक व झज्जर भी इसी तरह के आसन्न खतरे के मुहाने पर खड़े हैं। वैसे देखा जाए तो देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आने वाले ऐसे मामले न तो रहस्यमय हैं और न ही ये कोई नई बात ही है। बुनियादी ढांचागत व्यवस्था का जर्जर होना, सीवर लाइनों में रिसाव, अनियोजित शहरी विस्तार और नागरिक एजेंसियों के बीच आवश्यक समन्वय का अभाव, अकसर ऐसी स्थिति पैदा कर देता है, जहां सीवेज और पीने का पानी खतरनाक रूप से एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न भागों में स्थानीय नागरिक जब-तब आरोप लगाते हैं कि पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की आशंका है। ऐसे में शासन-प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया, इसके सत्यापन, पाइप लाइन की मरम्मत और वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। ऐसे में स्वास्थ्य संकट को दूर करने और अपनी बात मनवाने के लिये यदि नागरिकों को सड़कों पर उतरना पड़ता है तो यह शासन-प्रशासन की विफलता को ही दशार्ता है। विडंबना यह है कि जल प्रदूषण का सबसे बुरा असर समाज के कमजोर वर्ग पर ही पड़ता है। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इसकी चपेट में आते हैं। निर्विवाद रूप से दूषित जल से डायरिया, हेपेटाइटिस और अन्य दूषित जल जनित बीमारियों का प्रभाव तेजी से फैलता है। जिसके चलते अफरा-तफरी के बीच अक्सर स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाती है। ऐसे में तंत्र की निष्क्रियता की कीमत आम लोगों को न केवल अस्पताल के भारी-भरकम बिलों के रूप में, बल्कि जानमाल के नुकसान और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास में आई कमी के रूप में भी चुकानी पड़ती है। निश्चित रूप से दूषित पाइपलाइनों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर प्रभावित क्षेत्र में जल स्त्रोतों का परीक्षण होना चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि प्रभावित क्षेत्र में व्यापक स्तर पर लिए गए पानी के नमूनों की जांच के परिणाम भी सार्वजनिक किए जाएं। इसके अलावा आवश्यक है कि दूषित सिस्टम के सुरक्षित प्रमाणित होने तक सुरक्षित वैकल्पिक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी तय की जाए, न कि बांटी जानी चाहिए। सही मायनों में शहरी प्रशासन की कुशलता को स्वच्छ जल, स्वच्छता और जन-सुरक्षा जैसी बुनियादी बातों के मूल्यांकन के आधार पर मापा जाना चाहिए। ऐसे में इंदौर के घटनाक्रम को एक चेतावनी मानते हुए रोहतक और झज्जर के मामले में तत्काल कार्रवाई करने की जरूरत है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साख: भारत में उपेक्षा क्यों?

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया। वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेजी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया। वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर।

प्रवासियों और शरणार्थियों को खतरा क्यों मान रही है दुनिया?

कौशिक बसु

नए साल में भी दुनिया की तस्वीर स्याह ही नजर आती है। बढ़ते संघर्ष और उभरता सत्तावाद संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। बढ़ती विषमता आर्थिक असुरक्षा को गहरा रही है। लेकिन सबसे अधिक हतोत्साहित करने वाली घटना अदर्स यानी दूसरों के प्रति बढ़ती नफरत है। दुनिया के तमाम देशों में राजनेता प्रवासियों और शरणार्थियों को एक खतरे के रूप में पेश कर रहे हैं। यह स्थिति डब्ल्यूएच ऑडेन की कविता रिफ्यूजी ब्लूज की याद दिलाती है। द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्वसंध्या पर लिखी इस कविता में एक सार्वजनिक सभा में वक्ता चेतावनी देता है कि अगर हम उन्हें भीतर आने देंगे, तो वे हमारी रोजी-रोटी छीन लेंगे। इस जेनोफोबिया का उभार किसी शून्य में नहीं हो रहा है। यह एक गहरे संरचनात्मक बदलाव से प्रेरित है। हम भूल जाते हैं कि राष्ट्र-राज्य एक अपेक्षाकृत नया विचार है, जो उस समय उभरा था जब यात्राएं धीमी और सीमित हुआ करती थीं। उस दौर में दुनिया को अलग-अलग समुदायों के समूह के रूप में देखना तार्किक था। तब हर समुदाय अपने सदस्यों के कल्याण के लिए स्वयं जिम्मेदार था। इन इकाइयों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए एक साझा पहचान आवश्यक थी और इसी के लिए राष्ट्रवाद उभरा। लेकिन वैश्वीकरण ने इस व्यवस्था पर लगातार दबाव डाला है। वस्तुओं, पूंजी, सूचनाओं और लोगों की अपेक्षाकृत मुक्त आवाजाही- और उसके साथ डिजिटल क्रांति- ने कंपनियों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को सीमाओं के पार जुड़ने में सक्षम बना दिया है। विडंबना यह है कि यही बात आज के धुर-राष्ट्रवाद को हवा दे रही है। यह उस मॉडल को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, जिसे दुनिया पीछे छोड़ चुकी है। हम इसे पहले भी देख चुके हैं। नस्लीय श्रेष्ठता के दावे किसी जमाने में सामान्य माने जाते थे, लेकिन आज वे त्याज्य समझे जाते हैं। लेकिन आज भी लोगों का अपने-अपने देशों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बताना आम है, जबकि समय के साथ राष्ट्रीय सर्वोच्चता के ऐसे दावे भी उतने ही असभ्य और अक्षम्य प्रतीत होंगे। इस बदलाव की रूपरेखाएं दशकों पहले ही दिखाई देने लगी थीं। 1992 में प्रकाशित अपनी पुस्तक द ट्वाइलाइट ऑफ सॉवरेन्टी में वॉल्टर रिस्टन ने भविष्यवाणी की थी कि राष्ट्रीय सरकारें धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो देंगी। उनके अनुसार, हमारा सामूहिक भविष्य लगातार उन लोगों के हाथों में जा रहा है, जो दूरसंचार और कंप्यूटरों के जरिये पूरे ग्रह को जोड़ रहे हैं और उन बैंकरों के हाथों में भी, जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक ढांचे के माध्यम से पूंजी का लेनदेन करते हैं। जैसे एक न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए दासता और नस्लीय श्रेष्ठता की अस्वीकृति आवश्यक थी, उसी तरह आने वाले समय में राष्ट्रवाद के अहंकार को त्यागना भी अनिवार्य हो सकता है। रबींद्रनाथ ठाकुर बार-बार सीमाओं से मुक्त दुनिया की कल्पना करते रहे थे। 1917 के एक निबंध में उन्होंने तर्क दिया था कि भले ही राष्ट्र-राज्य एक व्यावहारिक आवश्यकता बना रहे, लेकिन हमें अंततः उस दिन की आकांक्षा करनी चाहिए जब हमारी प्राथमिक पहचान केवल मानव हो। पं. नेहरू ने भी इस दृष्टि की शक्ति को पहचाना था। लेकिन भले ही हम सार्वभौमिकता के नैतिक पक्ष को स्वीकार कर लें और यह मान लें कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कितनी गहराई से आपस में जुड़ चुकी है, फिर भी सवाल बना रहता है कि क्या सीमाओं से मुक्त दुनिया वास्तव में संभव है? आखिरकार, राष्ट्रवाद ने आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने की एक शक्तिशाली प्रेरणा भी तो देशों को दी है, जिसने विकास और इनोवेशन को गति देने में मदद की है। तीसरी शताब्दी ईसा-पूर्व के यूनानी स्टोइक दार्शनिक क्रिसिप्पस ऑफ सोली एक उपयोगी दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले क्रिसिप्पस नैतिक जीवन को समझाने के लिए प्रतिस्पर्धी खेलों का रूपक इस्तेमाल करते थे। अमेरिकी दार्शनिक टैड ब्रेनन के शब्दों में, वे धक्का-मुक्की रहित नैतिकता के पक्षधर थे, जिसका अर्थ यह है कि प्रतिस्पर्धी जीतने का प्रयास करें, लेकिन केवल खेल के नियमों के भीतर रहकर। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा- मित्रता, सहयोग और साझा उद्देश्य के साथ सह-अस्तित्व में रह सकती है। निस्संदेह, सीमाहीन दुनिया अभी दूर का सपना है। फिलहाल, हम जो कर सकते हैं, वह है मौजूदा सुपरनेशनल संस्थाओं को मजबूत करना- जैसे संयुक्त राष्ट्र, ब्रेटन वुड्स संस्थान और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय। ऐसे समय में, जब राष्ट्रवाद अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव को कमजोर कर रहा है, इन संस्थाओं की मजबूती अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसी दुनिया की आकांक्षा को संजोना होगा, जहां किसी को भी दूसरा न माना जाए, और जहां शरणार्थियों तथा प्रवासियों को हमारी रोजी-रोटी छीनने वाले अमानवीय खतरों के रूप में चित्रित न किया जाए।

भारत-अमरीका व्यापार समझौते में इतना समय क्यों लग रहा है?

अजय श्रीवास्तव

व्यापार नीति नहीं, बल्कि सुरक्षा पर निर्भरता, वाशिंगटन की अन्य देशों के साथ इतनी तेजी से व्यवहार करने की वजह है और यही कारण है कि भारत अपनी स्थिति पर अड़ा हुआ है। भारत ने अभी तक अमरीका (यू.एस.) के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता क्यों नहीं किया, जबकि दोनों देशों ने अन्य सांझेदारों के साथ तेजी से समझौते किए हैं? पिछले 4 वर्षों में ही भारत ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ब्लॉक, यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आई.पी.ई.एफ.) के सदस्यों के साथ व्यापार समझौते संपन्न किए हैं, जिसमें अमरीका भी शामिल है। पिछले 6 महीनों में वाशिंगटन ने जापान, यूरोपीय संघ (ई.यू.), ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम और मलेशिया के साथ त्वरित व्यापार समझौते किए हैं। तो फिर भारत-अमरीका समझौते में इतना समय क्यों लग रहा है? इसके दो मुख्य कारण हैं- पहला, अमरीका के साथ तेजी से व्यापार समझौते करने वाले अधिकांश देश अपनी सुरक्षा के लिए वाशिंगटन पर काफी हद तक निर्भर हैं। जबकि भारत के साथ ऐसा नहीं है। दूसरा, अमरीका-भारत व्यापार वार्त्ता व्यापार से कहीं आगे बढ़कर वाशिंगटन के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक और नीतिगत क्षेत्रों तक फैली हुई है। ये दो कारक बातचीत को जटिल बनाते हैं और यही कारण है कि समझौता होने में उम्मीद से अधिक समय लग रहा है। उदाहरण के लिए, जापान और दक्षिण कोरिया अमरीका के औपचारिक संधि

सहयोगी हैं और बड़ी संख्या में अमरीकी सैनिकों की मेजबानी करते हैं, विशेष रूप से उत्तर कोरिया और चीन से उत्पन्न खतरों को देखते हुए। यूरोप में भी यही पैटर्न देखने को मिलता है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के माध्यम से ब्रिटेन अमरीका के सबसे करीबी रणनीतिक सांझेदारों में से एक बना हुआ है। ऐसे मामलों में, व्यापार वार्ताएं रणनीतिक गठबंधन से प्रभावित होने के कारण, अमरीकी मांगों के प्रति प्रतिरोध सीमित रहता है। दक्षिणपूर्व एशिया में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। पारस्परिक रक्षा संधि से बंधे फिलीपींस ने हाल के वर्षों में अमरीकी सैन्य पहुंच का विस्तार किया है। संधि के तहत सहयोगी देश थाईलैंड भी अमरीकी सुरक्षा ढांचे में गहराई से जुड़ा हुआ है। इन देशों के लिए व्यापार समझौते सुरक्षा निर्भरता पर आधारित एक व्यापक भू-राजनीतिक सौदे का हिस्सा हैं। भारत की स्थिति अलग है। यह अपनी सुरक्षा के लिए अमरीका पर निर्भर नहीं है और सैन्य दबाव के माध्यम से इस पर दबाव नहीं डाला जा सकता। यह रणनीतिक स्वायत्तता व्यापार वात्ताओं के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल देती है। अमरीका-भारत व्यापार समझौते के लिए फरवरी 2025 में बातचीत शुरू हुई थी लेकिन वाशिंगटन भारत पर दबाव डाल रहा है कि वह विनियमन और प्रौद्योगिकी से लेकर ऊर्जा और भू-राजनीति तक के क्षेत्रों में अमरीकी हितों के अनुरूप प्रमुख घरेलू नीतियों को फिर से आकार दे। अमरीका चाहता है कि भारत अमरीकी तेल और रक्षा उपकरण अधिक खरीदे, डाटा और डिजिटल नियमों में ढील दे और ब्रिक्स सांझेदारों, विशेष रूप से रूस और चीन से दूरी बनाए रखे। इस बीच, भारत ने पहले ही महत्वपूर्ण रियायतें दी हैं। पिछले एक वर्ष में, अमरीका से इसके तेल आयात में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसने अपने परमाणु दायित्व ढांचे के कुछ पहलुओं को समायोजित किया है और स्टारलिंक को परिचालन शुरू करने की अनुमति दी है, हालांकि यह चिंता बनी हुई है कि अप्रतिबंधित उपग्रह पहुंच संवेदनशील क्षेत्रों में संप्रभु नियंत्रण को कमजोर कर सकती है। भारत ने डिजिटल लेन-देन कर भी हटा दिया है। फिर भी, वाशिंगटन डेयरी उत्पादों और मक्का और सोयाबीन सहित अनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के लिए अप्रतिबंधित पहुंच पर जोर दे रहा है, जो पर्यावरण, राजनीतिक और सामाजिक चिंताओं के कारण भारत में एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। हालांकि दोनों पक्ष चुप हैं और कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, ऐसा प्रतीत होता है कि वातार्कार समझौते की सीमा तक पहुंच चुके हैं और अब यह समझौता राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले का इंतजार कर रहा है। देरी का उद्देश्य भारत से और अधिक रियायतें हासिल करना हो सकता है। हालांकि, भारत को रूसी कच्चे तेल पर स्पष्ट निर्णय लेना होगा। भारतीय रिफाइनरियों ने खरीद कम करने का इरादा जताया है लेकिन रूसी तेल का प्रवाह जारी है, जो नवम्बर में भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग 35 प्रतिशत यानी 72 मिलियन टन था। पिछले 6 महीनों में अमरीका को निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। स्पष्ट रूप से वाशिंगटन भारत की स्थिति को और जटिल बना रहा है, रूसी तेल आपूर्त्त में कटौती से अमरीकी दबाव के समाप्त होने की कोई गारंटी न होना।

फिल्म धुरंधर की तूफानी कामयाबी का राज क्या है?

बरखा दत्त

भारत में बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ से ज्यादा और दुनिया में 1200 करोड़ रुपए से अधिक कमा चुकी धुरंधर इतिहास रचने वाली फिल्म बन गई है। जिस पाकिस्तान के आतंकी-प्रश्रय को यह फिल्म उजागर करती है, वहां भी इसको लेकर जुनून है। पाकिस्तानी शादियों और पार्टियों में लोग इसके संगीत पर थिरक रहे हैं। कराची के लियारी इलाके की गैंगवार इसमें दिखाई गई हैं। इसकी इतने बड़े पैमाने पर कामयाबी का राज क्या है, यह न सिर्फ फिल्म निमार्ताओं और समीक्षकों, बल्कि हम दर्शकों को भी समझने की जरूरत है। शुरू यहां से करें कि फोन और लैपटॉप पर नेटफ्लिक्स देखने के इस जमाने में यह फिल्म आपको बड़े परदे का वास्तविक सिनेमाई अनुभव देती है। भरी-पूरी स्टारकास्ट, एक्शन और डांस सीक्वेंस, सेट डिजाइन और प्रोडक्शन से लेकर संगीत और स्टोरीटेलिंग- सब कुछ बड़े परदे के लिए ही रचा गया था। 70 और 80 के दशक में बड़े हुए हममें से कइयों की कल्पनाएं हमारी फिल्मों ने गढ़ी हैं। दशकों बाद धुरंधर को लेकर भी ऐसा ही हो रहा है। फिल्म लोगों को जोड़ने वाली एक ऊर्जा पैदा करने में सफल रही है। बेहतरीन तरीके से बनी इस फिल्म को देखने के बाद बहुत लोगों ने बलूचिस्तान के इतिहास, रहमान डकैत और बेनजीर भुट्टो की पीपीपी को जानने के लिए गूगल किया है। इतना तो शायद किसी डॉक्यूमेंट्री, खबर या किताब को पढ़ने के बाद भी नहीं किया होगा। फिल्म की एक और असाधारण बात ये है कि शायद यह पहली भारतीय फिल्म है, जिसकी कहानी लगभग पूरी तरह पाकिस्तान में आधारित है। पाकिस्तानी बाजारों, चुनावी रैलियों का री-क्रिएशन, वास्तविक पुलिसकर्मी और राजनेताओं से प्रेरित कई काल्पनिक किरदार- इसमें सब कुछ बेहद बारीकी से गढ़ा गया है। भारत में आतंकी साजिश रचने में आईएसआई की भूमिका को इसमें जहां बिना किसी लाग-लपेट के उजागर किया गया है, वहीं पाकिस्तान की रोजमर्रा की जिंदगी को भी सटीक तरीके से चित्रित किया गया है। कुछ समीक्षकों ने आरोप लगाया है कि फिल्म भारतीय मुसलमानों के खिलाफ प्रोपेगंडा है। लेकिन यह बड़ी हास्यास्पद आलोचना है। फिल्म में ऐसा एक पल भी नहीं है, जो हमारे अपने लोगों के खिलाफ कोई संदेह पैदा करता हो। और यकीनन, जो लोग भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तानियों के साथ मिलाकर एक ही नजर से देख रहे हैं, वही उनको सबसे बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। भारतीय मुस्लिमों को कभी भी उस नजर से नहीं देखा जा सकता। यदि कोई ऐसा करता है तो वह उस समुदाय का अपमान करता है। मैंने अपने दो मुस्लिम मित्रों के साथ यह फिल्म देखी थी और उन्हें भी यह मेरे जितनी ही पसंद आई। आदित्य धर का फिल्म-निर्माण का एक और तरीका गहराई से सोचने पर मजबूर करता है। यह है काल्पनिक दृश्यों को रीयल लाइफ फुटेज के साथ जोड़ देना। एक दर्शक के तौर पर मेरे लिए इस फिल्म में बेहद भावनात्मक दृश्य थे। मसलन, मुम्बई पर 26ध्11 आतंकी हमले की योजना बनाने के काल्पनिक दृश्यों के बीच उस वक्त की वास्तविक तस्वीरें विशाल स्क्रीन पर दिखाई जाना। इस आतंकी हमले को मैंने खुद मौके से रिपोर्ट किया था। कहानी कहने की तकनीक के तौर पर यह युक्ति बेहद प्रभावी साबित हुई है। या फिर रहमान डकैत का किरदार लें, जिसे मुंबई हमलों की अहम कड़ी के तौर पर प्रदर्शित किया गया है। फिल्म में उसे आईएसआई और पाकिस्तानी सेना के साथ साजिशें रचते दिखाया गया है। लेकिन असल में हमले को लेकर भारत के खुद के डोजियर में भी उसका नाम कहीं नहीं है। बहरहाल, हमें याद रखना चाहिए कि फिल्में डॉक्यूमेंट्रीज नहीं होतीं। और आखिर में फिल्म का संगीत भी उसका एक दमदार हिस्सा है। इसमें कव्वाली और कुछ पुरानी धुनों को फिर से जीवंत किया गया है। बहरीनी लहजे में गाया गया एक अरबी गीत तो मौजूदा समय का सबसे लोकप्रिय ट्रेंड बन चुका है। फिल्म में संगीत भी किरदारों जितना ही अहम है। यही सब है, जो फिल्म देखने के बाद लंबे समय तक यादों में बना रहता है। आज की पीढ़ी के लिए धुरंधर वैसी ही है, जैसी पहले के जमाने में शोले थी- एक कल्ट फिल्म! जो लोग भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तानियों के साथ मिलाकर एक ही नजर से देख रहे हैं, वही उनको सबसे बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैंने अपने दो मुस्लिम मित्रों के साथ यह फिल्म देखी और उन्हें यह मेरे जितनी ही पसंद आई।

पीवी सिंधू का मलयेशिया ओपन में सफर समाप्त, सेमीफाइनल में मिली हार

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलयेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूनार्मेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। महिला एकल वर्ग में पीवी सिंधू को हार मिली और उनका सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का शानदार अभियान मलयेशिया ओपन के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। सिंधू को महिला एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झीयी के खिलाफ हार मिली। सिंधू विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ दबाव को नहीं झेल सकीं और उन्होंने कई गलतियां की जिससे उन्हें 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय चुनौती समाप्त पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूनार्मेंट खेल रहीं सिंधू ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त ली थी, लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सकीं। सिंधू की हार के साथ ही टूनार्मेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण बाहर होने से सिंधू ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

हरनाज संधू ने किया विमेंस प्रीमियर लीग का उद्घाटन

हरमनप्रीत कौर संग शेयर की खास तस्वीर

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) की शुरूआत जोरदार और खास तरीके से हुई, जब हरनाज कौर संधू ने 9 जनवरी को डब्लयूपीएल) ओपनिंग सेरेमनी का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस तरह से मिस यूनिवर्स 2021 विजेता और भारत का ग्लोबल लेवल पर प्रतिनिधित्व करने वाली जेर्न आइकॉन हरनाज ने इंडियन स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट में एक खास पल को चिह्नित किया। इस मौके पर इंडियन विमेन क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं। आम तौर पर होने वाले फॉर्मेट से अलग, हरनाज ने सेरेमनी में कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। उन्होंने आगे बढ़कर कार्यक्रम की शुरूआत की और दुनिया की टॉप महिला क्रिकेटर्स का स्वागत किया, जिसमें हरमनप्रीत कौर भी शामिल थीं। एक चौंपियन का दूसरे चौंपियंस का स्वागत करना सच में खास पल था, जिसने दिखाया कि महिलाएं दुनिया भर में आगे बढ़ रही हैं और जीत हासिल कर रही हैं। दुनिया में पहचान बनाने वाली जेर्न की पहली ब्यूटी क्वीनों में से एक हरनाज ने जब फिल्मों की दुनिया में कदम रखा, तो वह एक आत्मविश्वासी और नई सोच वाले भारत की पहचान बन गईं। मिस यूनिवर्स बनने से लेकर एक जानी-मानी पब्लिक फिगर बनने तक का उनका सफर देश के कई युवाओं के लिए प्रेरणादायक रहा है। विमेंस प्रीमियर लीग की शुरूआत कर हरनाज उन खास लोगों में शामिल हो गईं हैं, जो सिर्फ एक ही काम तक सीमित नहीं रहते और अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाते हैं। यह एक खास और सम्मान भरा पल था, जहां एक दुनिया भर में पहचान रखने वाली शख्सियत ने टॉप लेवल की महिला खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस शानदार शुरूआत ने उस लीग की भावना दिखा दी, जिसने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई दी और उसे दुनिया भर में पसंद किया जाने वाला इवेंट बना दिया।

तीसरी बार मां बनने के 4 महीने बाद रिहाना का स्टनिंग कमबैक

पोस्टपार्टम फिगर फ्लॉन्ट करते हुए खींचा सबका ध्यान

पॉप आइकन रिहाना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मां बनने के बाद भी उनका ग्लैमर और स्टाइल बरकरार है। तीसरे बच्चे के जन्म के महज चार महीने बाद, रिहाना ने अपना पोस्टपार्टम फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सबका ध्यान खींचती नजर आईं। 37 साल की रिहाना को हाल ही में अपने परिवार के साथ कैरिबियन धूप का आनंद लेते हुए नजर आईं, जहां उनका लुक चर्चा का विषय बन गया। हाल ही में रिहाना को बारबाडोस के ब्रिजटाउन में एक लग्जरी कैटामरैन क्रूज पर देखा गया। यह पल

उनके लिए फैमिली के साथ सुकून भरे समय बिताने का था। जैसे ही वह समुद्र में घूमने निकलीं, सुपरस्टार पर हर किसी की नजर टिक गई। लुक की बात करें तो इस दौरान रिहाना एक स्पोर्टी एबिसे वेटसूट पहने नजर आईं, जिसने उनकी फिट और टोन्ड बॉडी को खूबसूरती से उभाका। अपने लुक को खास बनाने के लिए रिहाना ने टिफनी एंड कंपनी का एल्सा पेरेटी लार्ज बोन कफ पहना। स्टेटमेंट ज्वेलरी ने उनके सिंपल लुक में भी लग्जरी का तड़का लगा दिया। इसके साथ ही उन्होंने जेरेमी स्कॉट और लॉन्गशॉम्प के लिमिटेड-एडिशन मॉन्स्टर बैग को कैरी किया, जिसने पूरे आउटफिट को स्पोर्टी और लग्जरी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बना दिया। रिहाना का यह अंदाज एक बार फिर उनके फैशन सेंस और ट्रेंडसेटर इमेज को दशार्ता है। रिहाना अक्सर अपने लॉन्गटाइम पार्टनर ए$एपी रॉकी और बच्चों के साथ अपने होमटाउन बारबाडोस आती रहती हैं। इस ट्रिप में उनके साथ उनके तीनों बच्चे मौजूद थे,तीन साल के बेटे रजा, दो साल के बेटे रायट और उनकी चार महीने की बेटी रॉकी।

पिता राकेश रोशन ने ऋतिक पर लुटाया प्यार

साझा की अनोखी तस्वीर; कई सेलेब्स ने किया बर्थ डे विश

आज ऋतिक रोशन अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर परिवार और बॉलीवुड सेलेब्स ने उन्हें बर्थ डे विश किया। जानिए, ऋतिक रोशन को बर्थ डे विश करते हुए सेलेब्स ने क्या-क्या लिखा? बॉलीवुड में ग्रीक गॉड के नाम से मशहूर ऋतिक रोशन का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर उनके पिता राकेश रोशन ने एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर

शेयर की है। साथ ही एक दिल छूने वाला मैसेज भी लिखा है। वहीं बहन सुनैना ने भी ऋतिक को बर्थ डे विश किया है। इनके अलावा काजोल, रकुल प्रीत जैसे कई सेलेब्स ने ऋतिक को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पिता राकेश रोशन ने ऋतिक को लेकर क्या पोस्ट की? शनिवार को राकेश रोशन ने ऋतिक के जन्मदिन पर पोस्ट करते हुए लिखा, डुग्गू, हर साल तुमसे और ज्यादा प्यार करता हूं। जन्मदिन मुबारक हो। इस पोस्ट के साथ उन्होंने ऋतिक की बचपन की और अभी की एक तस्वीर को एआई से बनाकर शेयर किया है। इस तस्वीर को फैंस ने खूब पसंद किया है। बहन सुनैना के अलावा किस-किस सेलेब्स ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं? पिता राकेश रोशन के अलावा बहन सुनैना ने भी ऋतिक को जन्मदिन पर बधाई दी है। साथ ही काजोल, रकुल प्रीत जैसी एक्ट्रेसेस ने ऋतिक को बर्थ डे विश किया है। वहीं एक्टर नील नितिन मुकेश ने भी ऋतिक को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। अनिल कपूर ने भी लिखा खास मैसेज? ऋतिक रोशन को अनिल कपूर ने भी बर्थ डे विश किया। एक लंबी इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इसमें वह ऋतिक को सुपरस्टार बता रहे हैं। अनिल कपूर के अलावा सोनाली बेंद्रे ने भी ऋतिक रोशन के लिए एक प्यारा मैसेज लिखा है, उन्हें बर्थ डे विश किया है।

मद्रास हाई कोर्ट ने थलापति विजय की जना नायगन पर सुनाया बड़ा फैसला

फिल्म को मिया यूए सर्टिफिकेट

थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म जना नायगन को लेकर चल रहा सेंसर सर्टिफिकेट विवाद अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से क्लियरेंस न मिलने के कारण इसके प्रदर्शन पर रोक लग गई थी। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सर्टिफिकेट में देरी की वजह से मेकर्स को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। फिल्म निमार्ताओं ने मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि बिना किसी ठोस वजह के जना नायकन का सर्टिफिकेशन रोका जा रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए अब हाई कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुना दिया है। मद्रास हाई कोर्ट ने जना नायकन के निमार्ताओं के पक्ष में फैसला देते हुए स्पष्ट किया कि सीबीएफसी चेयरपर्सन के पास फिल्म को रिव्यू कमेटी के पास भेजने का अधिकार नहीं था। कोर्ट ने 6 जनवरी को जारी सीबीएफसी के उस पत्र को रद्द कर दिया, जिसमें सर्टिफिकेट जारी करने में देरी की गई थी। इसके साथ ही अदालत ने बोर्ड को तुरंत फिल्म के लिए सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के आदेश के बाद यह साफ हो गया है कि जना नायगन को बिना किसी और देरी के यूए सर्टिफिकेट दिया जाएगा। सीबीएफसी की बैठक में रिव्यू कमेटी और एडवाइजरी पैनल द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर विचार करने के बाद यूए सर्टिफिकेट देने का निर्णय लिया गया। यूए सर्टिफिकेट का मतलब है कि फिल्म को सभी उम्र के दर्शक देख सकते हैं, हालांकि बच्चों के लिए पैरेंटल गाइडेंस की सलाह दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि फिल्म के खिलाफ शिकायत सोची-समझी लग रही थी और कहा कि ऐसी शिकायतों पर ध्यान देने से एक खतरनाक चलन शुरू हो सकता है, जिससे बचना चाहिए। इस आदेश के साथ, जना नायकन के आसपास सेंसर का मुद्दा खत्म हो गया है, जिससे इसके रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले के साथ ही जना नायगन से जुड़ा सेंसर विवाद खत्म हो गया है और अब फिल्म की रिलीज का रास्ता पूरी तरह साफ हो चुका है। बता दें कि इस मामले में अदालत ने प्रोडक्शन हाउस की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट सतीश पारासरन और सीबीएफसी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ए.आर.एल. सुंदरेशन की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रखा था। फिल्म को वेंकट के. नारायण की कंपनी ज़टछ प्रोडक्शंस प्रोड्यूस कर रही है। प्रोडक्शन हाउस ने कोर्ट में यह भी कहा था कि सर्टिफिकेशन में अनावश्यक देरी से उन्हें भारी वित्तीय नुकसान झेलना पड़ सकता है। अब कोर्ट के फैसले के बाद मेकर्स और फैंस दोनों ने राहत की सांस ली है, और दर्शकों को जल्द ही थलपति विजय की यह फिल्म बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

नवलगढ़ में फिल्म घूंघट की शूटिंग में जुटीं तापसी पन्नू

खाकी वर्दी में दिखा रौबदार अंदाज

एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म घूंघट की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में एक्ट्रेस इस फिल्म के सिलसिले में राजस्थान के झुंझुनू जिले के नवलगढ़ पहुंच गई हैं, जहां से उनकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें फैंस का खूब ध्यान खींच रही हैं। फिल्म के शूटिंग सेट

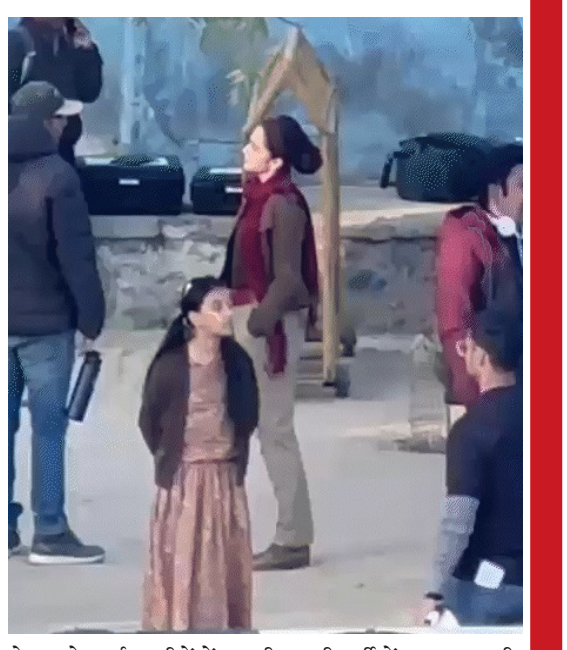

से सामने आई तस्वीरों में तापसी खाकी वर्दी में नजर आ रही हैं। पुलिस अधिकारी के अवतार में उनका अंदाज बेहद दमदार और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। उनकी बॉडी लैंग्वेज और रौबदार अंदाज किरदार को और भी विश्वसनीय बनाता है। फिल्म की शूटिंग के लिए नवलगढ़ के एक स्कूल परिसर को चुना गया है, जहां पूरा पुलिस थाना सेट तैयार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म में इस थाने का नाम बारवाड़ा थाना रखा गया है। स्कूल परिसर को पूरी तरह पुलिस स्टेशन के रूप में तब्दील किया गया है, जो देखने में काफी वास्तविक लगता है। तापसी पन्नू की मौजूदगी की खबर फैलते ही रोजाना बड़ी संख्या में लोग शूटिंग लोकेशन के आसपास उन्हें देखने पहुंच रहे हैं। फैन्स की भीड़ को देखते हुए वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि शूटिंग बिना किसी रुकावट के पूरी हो सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म घूंघट को किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किए जाने की तैयारी है। नवलगढ़ और मुकुंदगढ़ जैसे इलाकों को फिल्म मेकर्स की पसंदीदा लोकेशन माना जाता है। यहां की पुरानी हवेलियां, पारंपरिक वास्तुकला और आधुनिक सुविधाएं शूटिंग के लिए एक बेहतरीन माहौल प्रदान करती हैं, जिसकी वजह से बड़े प्रोजेक्ट्स यहां शूट किए जाते हैं। बता दें, फिल्म घूंघट में तापसी पन्नू एक महिला थानेदार की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म अनुपम सिन्हा और मकबूल खान के निर्देशन में बन रही है। फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है।

मिजार्पुर द फिल्म में हुई इस किरदार की वापसी, श्रिया पिलगांवकर ने साझा की शूटिंग से बीटीएस तस्वीरें

बतौर वेब सीरीज सुपरहिट रहने के बाद अब मिजार्पुर फिल्म के तौर पर वापस लौट रही है। अब अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग की कुछ बीटीएस तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही फिल्म की कास्ट से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया भी है। जानिए क्या बताया श्रिया पिलगांवकर नेङ्घ प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज मिजार्पुर अब फिल्म के रूप में सामने आएगी। मिजार्पुर द फिल्म की शूटिंग इन दिनों चल रही है। शूटिंग से कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। अब सीरीज का हिस्सा रहीं अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म में सीरीज के अहम किरदार की वापसी के बारे में भी जानकारी दी है। जानिए कौन कर रहा है फिल्म में आठ साल बाद वापसीङ्घ श्रिया ने दिया सरप्राइज श्रिया पिलगांवकर ने अपने इंस्टाग्राम पर मिजार्पुर द फिल्म की शूटिंग से जुड़ी दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें पहली तस्वीर में क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम मिजार्पुर द फिल्म लिखा हुआ है। साथ ही स्क्रिप्ट रखी हुई है, जिस पर स्वास्तिक बना हुआ है और क्लैप बोर्ड व स्क्रिप्ट पर फूल चढ़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि यह मुहूर्त शॉट की तस्वीर हो सकती है। इसके साथ ही श्रिया ने एक और तस्वीर भी साझा की है। इसमें पूजन हो रहा है और फिल्म की पूरी कास्ट व क्रू मौजूद है। इसके साथ ही श्रिया ने कैप्शन में लिखा है, आठ साल बाद अंदाजा लगाइए कौन मौत के मुंह से वापस लौट आया है? मिजार्पुर द फिल्म की शूटिंग हो रही है। जल्द ही मिलते हैं। वापस आ गए मुन्ना भैया श्रिया के कैप्शन के बाद अब ये साफ हो गया है कि मिजार्पुर के दूसरे सीजन में मर चुके मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा, मिजार्पुर द फिल्म में वापसी कर रहे हैं। श्रिया ने जो फिल्म की कास्ट की तस्वीर साझा की है, उसमें दिव्येंदु शर्मा भी नजर आ रहे हैं। अब श्रिया के कैप्शन और इस तस्वीर से फैंस को ये कंफर्मेशन मिल गई है कि मुन्ना भैया का किरदार मिजार्पुर द फिल्म में वापस आ रहा है। जाहिर है कि मुन्ना भैया शो का सबसे लोकप्रिय किरदार है। सीरीज के तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को काफी खला था और लोगों ने इस किरदार के वापस आने की मांग भी की थी। लोगों को उम्मीद थी कि तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का किरदार वापस आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन अब मिजार्पुर द फिल्म में मुन्ना भैया के किरदार की वापसी तय है। रवि किशन भी आएंगे नजर इसके अलावा मिजार्पुर द फिल्म में रवि किशन और जितेंद्र कुमार की नई एंट्री हुई है। हालांकि, ये दोनों ही अभिनेता वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में रवि किशन का किरदार क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

कोच यान जेलेज्मी से अलग हुए नीरज चोपड़ा, 90 मीटर के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्मी के साथ अपनी साझेदारी एक सीजन बाद समाप्त करने की घोषणा की। नीरज ने इसे सीख, प्रगति और आपसी सम्मान से भरा सफर बताया, हालांकि अलग होने की वजह स्पष्ट नहीं की। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्मी के साथ अपनी साझेदारी समाप्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी सिर्फ एक सीजन तक चली, जिसे नीरज ने प्रगति, आपसी सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून से भरा बताया। हालांकि, नीरज ने इस करार के खत्म होने की कोई ठोस वजह नहीं बताई। नीरज ने की जेलेज्मी की तारीफ यान जेलेज्मी भाला फेंक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नीरज ने कहा कि जिस खिलाड़ी को वह बचपन से अपना आदर्श मानते आए हैं, उससे सीधे सीखना उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'यान के साथ काम करने से मुझे एक नया टूलबॉक्स मिला, नई एक्सरसाइज, तकनीकी विचार और खेल को देखने के नए नजरिए।

'वहीं मारेंगे जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा...'

ट्रंप की ईरान को फिर धमकी, कहा- हालात पर हमारी कड़ी नजर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हिंसा हुई या उन्हें मारा गया, तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा और ईरान पर जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा, वहीं वार करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ लोगों का गुस्सा चरम पर है। देश के अंदर बढ़ती महंगाई और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद भारी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही खामेनेई के शासन को ललकार रहे हैं। ईरान की स्थिति पर अमेरिका भी पैनी नजर बनाए हुए है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। 'अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां...' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका ईरान के हालात पर बहुत करीब से नजर रखी जा रही है। इसी के साथ उन्होंने उम्मीद जताई है कि देश में प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे। वहीं उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया, तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा। हमारी हालातों पर कड़ी नजरः ट्रंप व्हाइट हाउस में शीर्ष तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान की स्थिति पर अमेरिका बहुत करीबी नजर रखे हुए है। ईरान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'ईरान बड़ी मुसीबत में है। मुझे लगता है कि लोग कुछ शहरों पर कब्जा कर रहे हैं, जो किसी ने सोचा भी नहीं था कि मुमकिन होगा। हम हालात पर बहुत ध्यान से नजर रख रहे हैं। मैंने बहुत मजबूती से कहा है कि अगर वे पहले की तरह लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो हम दखल देंगे।' 'हत्या शुरू होती है, तो हम चुप नहीं बैठेंगे' इसी के साथ ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व को खुले आम चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आपने गोली चलानी शुरू की, तो हम भी जवाब देंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर वहां पहले की तरह लोगों की हत्या शुरू होती है, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हालांकि ट्रंप ने साफ किया कि इसका मतलब अमेरिकी सेना को जमीन पर उतारा नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि हम उन्हें वहां मारेंगे, जहां सबसे ज्यादा असर पड़े। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'लेकिन ईरान में जो हो रहा है, वह वाकई अविश्वसनीय है। यह देखना आश्चर्यजनक है। उन्होंने बहुत बुरा काम किया है, उन्होंने अपनी जनता के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया है और अब उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, तो देखते हैं आगे क्या होता है। हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं।' प्रदर्शनकारियों के बारे में ट्रंप ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि ईरान में प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि यह इस समय बहुत खतरनाक जगह है और मैं ईरानी नेताओं से फिर कहता हूं कि बेहतर होगा कि आप गोलीबारी शुरू न करें क्योंकि हम भी गोलीबारी शुरू कर देंगे।' ईरान में अब तक 62 लोगों की मौत बता दें कि बीते दो हफ्तों से ईरान में विरोध प्रधर्शन जारी है।

राउरकेला में हवाई पट्टी के पास छोटा विमान गिरा, नौ यात्री थे सवार

राउरकेला/भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि शनिवार को राउरकेला के पास एक प्राइवेट एयरलाइन का छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान प्राइवेट एयरलाइन का बताया जा रहा है, जिसमें छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पायलट को गंभीर चोंटे आई हैं। राज्य के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि प्राइवेट एयरलाइन के छोटे विमान की क्रैश लैंडिंग में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। राउरकेला से 10 किलोमीटर पहले हादसा मंत्री जेना ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि यात्रियों को ले जा रहा एक अ-1 नौ सीटर प्राइवेट विमान हादसे का शिकार हो गया है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। यह घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जल्दा में हुई। सभी घायलों को पहुंचाया अस्पताल हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को स्थिति के बारे में बता दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर भी जल्द ही दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे। 4 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे सवार वहीं बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर प्रसन्ना प्रधान ने कहा कि फ्लाइट भुवनेश्वर से राउरकेला जा रही थी। राउरकेला से 10 किमी पहले इसकी क्रैश लैंडिंग हुई। इसमें 4 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे। सभी सुरक्षित हैं। यह फ्लाइट इंडिया वन एयरलाइंस की है। फ्लाइट नंबर उ-208 है। हादसे तुरंत बाद मौके पर पहुंची राहत टीम विमान के दुर्घटनाग्रस्त होते ही स्थानीय लोगों ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था।

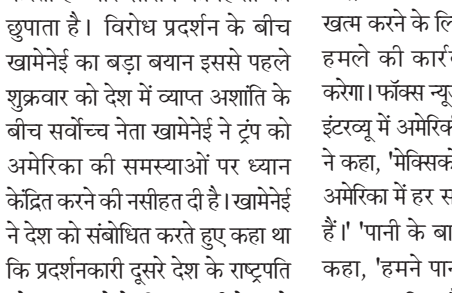

आंदोलन कुचलने के लिए खामेनेई की सेना ने बरसाई गोलियां

डॉक्टर का दावा- केवल तेहरान में 217 मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में खामेनेई सत्ता के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन भारी हिंसक होता जा रहा है। शुक्रवार से पूरे देश में इंटरनेट और कॉल सेवा पूरी तरह से बंद है। इस बीच तेहरान के एक डॉक्टर ने डरा देने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि सिर्फ तेहरान के छह अस्पताल में अब तक 217 मौतें दर्ज की जा चुकी है। ईरान में सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में जा पहुंचा है। खराब अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच जनता सड़कों पर उतर चुकी है और खामेनेई प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है। इस बीच देश में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन अब देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। टाइम पत्रिका की एक रिपोर्ट में तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर बताया गया है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। डॉक्टर का दावा- 217 प्रदर्शनकारियों की मौत डॉक्टर का दावा है कि तेहरान में 200 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। टाइम पत्रिका को तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर की जान सुरक्षा बलों की तरफ से की गई गोलीबारी में गई है। डॉक्टर ने ईरानी अधिकारियों के डर से नाम न छापने की शर्त पर यह बड़ी जानकारी साझा की। हालांकि टाइम पत्रिका ने इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। सत्ता के खिलाफ जनता का हल्ला बोल ऐसे में अगर मौतों के यह आंकड़े सही है तो ईरानी सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए खौफनाक चेहरा सामने आया है। इधर, देश में इंटरनेट और फोन सेवा लगभग पूरी तरह बंद कर हो चुकी है। इंटरनेट स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने शासन की तरफ से लागू किए गए इंटरनेट प्रतिबंध का दस्तावेजीकरण किया। संस्था ने बताया कि राष्ट्रव्यापी इंटरनेट बंद किए हुए अब 24 घंटे हो चुके हैं और कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के 1% पर स्थिर है। यह जारी डिजिटल ब्लैकआउट ईरानियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और शासन की हिंसा को छुपाता है। विरोध प्रदर्शन के बीच खामेनेई का बड़ा बयान इससे पहले शुक्रवार को देश में व्याप्त अशांति के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई ने ट्रंप को अमेरिका की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। खामेनेई ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने साफ कहा है कि देश विदेशियों के भाड़े के सैनिकों को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी के साथ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी संकेत दिया।

अब ट्रंप के निशाने पर मेक्सिको, बोले-ड्रग तस्करी नेटवर्क तबाह करने के लिए जमीनी हमले करेंगे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप इस वक्त अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक व्यवस्था को दरकिनार कर पूरी तरह से बेलगाम नजर आ रहे हैं। वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई के बाद अब ट्रंप ने मेक्सिको को भी खुलेआम धमकी दी है और ड्रग तस्करी के खिलाफ जमीनी कार्रवाई की बात कही है। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर अब मेक्सिको है। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही क्षेत्र में ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जमीनी हमले की कार्रवाई शुरू करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह देखना बहुत ही दुखद है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं।' 'पानी के बाद अब ड्रग तस्करी के खिलाफ जमीनी हमले करेंगे' ट्रंप ने कहा, 'हमने पानी के रास्ते से होने वाली ड्रग तस्करी को 97 फीसदी तक खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के सफाए के लिए जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।' हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। इस हफ्ते की शुरूआत में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ड्रग कार्टेल से निपटने के लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम के साथ अमेरिकी सैन्य मदद की संभावना पर बात की और चेतावनी दी कि मेक्सिको को अपनी स्थिति सुधारनी होगी।

ईरान में क्यों सुप्रीम लीडर खामेनेई की तस्वीर से सिगरेट जला रहीं युवतियां? बनीं आंदोलन का चेहरा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच आंदोलन का नया चेहरा सामने आया है, जहां युवतियां सुप्रीम नेता खामेनेई के जलते हुए पोस्टरों से सिगरेट जला रही हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। ईरान की जनता सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सड़कों पर हैं। बढ़ती महंगाई, खराब अर्थव्यवस्था और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद ईरानी लोगों ने प्रशासन के खिलाफ खोर्चा खोला हुआ है। ईरान के सभी प्रांतों में विरोध के स्वर तेज हैं। हिंसक प्रदर्शनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बीच ईरान में जारी आंदोलन का एक नया चेहरा भी सामने आया है, जहां युवतियां खामेनेई की जलती हुई तस्वीरों से सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सबसे बड़ा आंदोलन इस्लामिक गणराज्य ईरान में खामेनेई की धार्मिक सरकार के खिलाफ लोगों में भारी रोष है। वहीं मौतों की संख्या बढ़ने के साथ ही विरोध प्रदर्शन और भी हिंसक होते जा रहे हैं। इस बीच देश में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। ये विरोध प्रदर्शन दिसंबर के अंत में शुरू हुए और देश में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है।

शिकागो में टेस्ला मॉडल हादसा, ड्राइवर की तबीयत बिगड़ने के बाद कार में लगी भीषण आग, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिकागो में एक टेस्ला कार क्रैश हो गई और उसमें आग लग गई, जब उसे चला रहे शख्स के साथ एक मेडिकल इमरजेंसी हो गई। घटनास्थल की तस्वीरों में टेस्ला पूरी तरह जली हुई दिख रही थी, और इमरजेंसी बचाव दल क्षतिग्रस्त गाड़ी की ध्यान से जांच कर रहे थे। शिकागो के पास नेपर्विल इलाके में शुक्रवार शाम एक गंभीर हादसा सामने आया, जब एक टेस्ला मॉडल दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गई। यह घटना शाम करीब 5 बजे रूट 59 पर हुई। बताया जा रहा है कि कार चला रहे व्यक्ति को अचानक मेडिकल इमरजेंसी हो गई, जिसके चलते वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। स्थानीय

रिपोर्ट्स के अनुसार, 37 वर्षीय व्यक्ति 2025 (2025 टेस्ला मॉडल) चला रहा था, तभी उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पहले कार ने सड़क पर चल रहे एक अन्य वाहन को टक्कर मारी और फिर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। इसके बाद कार एक पेड़ से टकराई और तुरंत उसमें आग लग गई। ड्राइवर को कैसे बचाया गया? हादसे के वक्त मौके पर मौजूद एक ऑफ-ड्यूटी नेपर्विल पुलिस अधिकारी ने बिना देर किए कार्रवाई की। उन्होंने जलती हुई कार से ड्राइवर को बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। इसके तुरंत बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और हालात को संभाला। घटनास्थल पर क्या दिखा? मौके से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में टेस्ला पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दी। सड़क और आसपास के हिस्से में मलबा बिखरा हुआ था। कार से काला धुआं उठता दिखा, जबकि दमकलकर्मी आग बुझाने और वाहन को ठंडा करने में जुटे रहे। हेलिकॉप्टरों की मदद से भी इलाके की निगरानी की गई। ईवी में आग बुझाने के लिए कौन-सी तकनीक इस्तेमाल हुई? फायर ब्रिगेड ने इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी में लगी आग को काबू में करने के लिए एक विशेष उपकरण का इस्तेमाल किया, जिसे ₹पोसाइडन नोजल₹ कहा जाता है। यह उपकरण खासतौर पर ईवी बैटरी में आग लगने की स्थिति में ठंडा करने और आग बुझाने के लिए बनाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस तकनीक से बैटरी को सुरक्षित तरीके से ठंडा करना संभव होता है। यह पहला मामला नहीं है। सोशल मीडिया पर पहले भी टेस्ला वाहनों में आग लगने के वीडियो सामने आते रहे हैं। हाल ही में वायरल एक अन्य वीडियो में एक लाल टेस्ला कार चलते-चलते पीछे से आग पकड़ लेती है, जिसके बाद ड्राइवर तुरंत बाहर निकलकर सुरक्षित दूरी बना लेता है। ड्राइवर की हालत और जांच का क्या अपडेट है? फिलहाल ड्राइवर की चोटों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

तारिक रहमान बने बीएनपी के नए अध्यक्ष, खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी ने लिया फैसला

ढाका (एजेंसी)। खालिदा जिया के निधन के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने तारिक रहमान को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। 17 साल बाद देश लौटे तारिक रहमान को पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सौंपा गया है। बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। पार्टी की राष्ट्रीय स्थायी समिति ने सर्वसम्मति से तारिक रहमान को पार्टी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष रहीं खालिदा जिया के लंबे इलाज के बाद निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया है। बीएनपी अध्यक्ष का पद खालिदा जिया के निधन के बाद रिक्त हो गया था। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं और पार्टी की सबसे प्रभावशाली नेता मानी जाती थीं। पार्टी संविधान के तहत इस पद को भरने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई, जिसमें तारिक रहमान के नाम पर मुहर लगी। 17 साल बाद स्वदेश लौटे थे तारिक रहमान तारिक रहमान 25 दिसंबर को 17 वर्षों के स्वैच्छिक निर्वासन के बाद लंदन से बांग्लादेश लौटे थे। उनके स्वदेश लौटने को बीएनपी के लिए एक अहम राजनीतिक संकेत माना गया। पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी वापसी से संगठन को नई ऊर्जा मिली है और कार्यकताओं में उत्साह बढ़ा है। पार्टी में लंबा संगठनात्मक अनुभव 60 वर्षीय तारिक रहमान का पार्टी संगठन में लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2002 में उन्हें बीएनपी का वरिष्ठ संयुक्त महासचिव बनाया गया था। इसके बाद 2009 में वह पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर उन्हें रणनीतिकार और संगठन को मजबूती देने वाला नेता माना जाता है।

जगन्नाथ मंदिर के गेस्ट हाउस में पार्किंग फीस बढ़ने का विरोध

प्रशासन बोला- नहीं कम करेंगे शुल्क

पुरी (एजेंसी)। जगन्नाथ मंदीर में प्रशासन ने गेस्ट हाउसों में चारपहिया वाहनों के लिए ?500 पार्किंग शुल्क को लेकर विरोध के बावजूद फैसले को बरकरार रखा है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम बेहतर व्यवस्था के लिए है, जबकि बीजेडी ने इससे पर्यटकों के आगमन पर असर पड़ने की आशंका जताई है। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदीर प्रशासन (एसजेटीए) अपने फैसले पर कायम है। गेस्ट हाउसों में चारपहिया वाहनों के लिए 500 रुपये पार्किंग शुल्क लिया जाएगा। इस फैसले को वापस लेने से प्रशासन ने इनकार किया है। एसजेटीए का कहना है कि विरोध के बावजूद कोई बदलाव नहीं होगा। प्रशासन के मुताबिक यह कदम व्यवस्था सुधारने के लिए उठाया गया है। पर्यटकों के आगमन पर असर पड़ सकता है- बीजेडी एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंदा पाधी ने कहा कि रोजाना औसतन 10 वाहन ही गेस्ट हाउसों में पार्क होते हैं और चारपहिया से आने वाले आगंतुक 500 रुपये का शुल्क वहन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन पर्यटकों के पास ठहरने का आरक्षण है, वे चाहें तो अन्य पार्किंग स्थलों का भी उपयोग कर सकते हैं। दावा किया कि इससे तीर्थ शहर में पर्यटकों के आगमन पर असर पड़ सकता है। आवास शुल्क बढ़ाने पर कोई शुल्क नहीं पाधी ने बताया कि जगन्नाथ बल्लव पार्किंग में शुल्क ?250 है और कोई भी वहां वाहन खड़ा कर सकता है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।